छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 195 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 28 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

'चांदमारी भूमि विवाद, 1962 का रजिस्ट्री बना प्रशासन का ढाल'

हाईकोर्ट में रिव्यू लंबित, इसलिए बंटवारे पर रोक, 1500 में खरीदा गया था जमीन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के ग्राम श्रीगढ़ स्थित चांदमारी भूमि को लेकर सोशल मीडिया में चल रही खबरों पर जिला प्रशासन ने अपनी वस्तुस्थिति स्पष्ट की है। प्रशासन का कहना है कि विवादित भूमि वर्ष 1962 में ही तत्कालीन मध्यप्रदेश शासन द्वारा विधिवत पंजीकृत विक्रय पत्र के जरिए खरीदी जा चुकी है और आज भी उसका उपयोग पुलिस फायरिंग प्रशिक्षण, यानी चांदमारी के लिए हो रहा है। वहीं दूसरी ओर प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, अंबिकापुर पीठासीन अधिकारी पल्लव रघुवंशी द्वारा अपर कलेक्टर को कारण बताओ नोटिस जारी कर सिविल जेल भेजने और कलेक्टर को अवमानना के संबंध में उच्च न्यायालय को प्रस्ताव भेजने की बात कही गई थी।

मामले में जिला प्रशासन द्वारा वस्तुस्थिति स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि, जिला न्यायाधीश अंबिकापुर के व्यवहार वाद क्रमांक 02 अ/1989 (बी.बी.एल. अग्रवाल) नंदकिशोर प्रसाद विरुद्ध श्रीमती सहोदरी व अन्य में पारित आदेश दिनांक 19.03.1991 द्वारा ग्राम श्रीगढ़ स्थित भूमि खसरा क्रमांक 165, 186, 15/1 एवं 19/1 रकबा क्रमशः 1.96, 0.65, 0.60 एवं 0.45 कुल रकबा 3.66 एकड़ तथा मकान का विधिवत बंटवारा कराने का आदेश पारित किया गया था। प्रकरण के संबंध में यह तथ्य उल्लेखनीय है कि दिनांक 31.03.1962 को ग्राम श्रीगढ़ तहसील अंबिकापुर स्थित भागवत साय एवं चतुर राम पिता तुलसी केशरवानी के नाम दर्ज ग्राम श्रीगढ़ की सेटलमेंट भूमि खसरा क्रमांक 15, 19, 20 एवं 13/2, रकबा क्रमशः 1.15, 2.48, 2.03 एवं 0.30 एकड़, कुल रकबा 6.32 एकड़ को पी.डब्ल्यू.डी. प्रयोजन (चांदमारी/पुलिस फायरिंग प्रशिक्षण) के लिए तत्कालीन मध्यप्रदेश शासन द्वारा तत्कालीन कलेक्टर के हस्ताक्षर से विधिवत पंजीबद्ध विक्रय पत्र के माध्यम से भूमि स्वामियों से 1500 रुपये विक्रय मूल्य अदा करके क्रय किया गया था। उक्त भूमि का उपयोग वर्तमान में भी चांदमारी प्रयोजन के लिए किया जा रहा है।

शासन ने पंजीबद्ध विक्रय पत्र के माध्यम से किया क्रय

प्रकरण में उल्लेखनीय है कि, व्यवहार वाद क्रमांक 02 अ/1989 में व्यवहार न्यायालय द्वारा तत्कालीन मध्यप्रदेश शासन तत्कालीन कलेक्टर को पक्षकार बनाया गया था, किन्तु शासन को उक्त वाद की कोई सूचना नहीं दी गई, शासन का पक्ष नहीं सुना गया, जबकि संबंधित भूमि तत्कालीन मध्यप्रदेश शासन द्वारा 31.03.1962 को विधिवत पंजीबद्ध विक्रय पत्र के माध्यम से क्रय की जा चुकी थी। पंजीबद्ध विक्रय पत्र को आज दिनांक तक किसी सक्षम न्यायालय द्वारा निरस्त नहीं किया गया है। जारी पत्र में यह स्पष्ट किया गया है कि वादी द्वारा यह तथ्य कि संबंधित भूमि तत्कालीन मध्यप्रदेश शासन द्वारा विधिवत पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर क्रय की गई थी, न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया तथा उक्त तथ्य को छिपाते हुए अपने पक्ष में बिक्री प्राप्त की गई। इसके अतिरिक्त लगभग 21 वर्ष के विलंब से उक्त व्यवहार वाद के निष्पादन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया।

प्रकरण वर्तमान में उच्च न्यायालय में विचाराधीन

राज्य शासन की ओर से उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर के समक्ष रिव्यू पीटिशन क्रमांक 107/2017 (मध्यप्रदेश शासन, वर्तमान में छत्तीसगढ़ शासन, कलेक्टर सरगुजा विरुद्ध कन्हैया प्रसाद व अन्य) 05.09.2017 को प्रस्तुत की गई है। उक्त प्रकरण वर्तमान में उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। इसलिए संबंधित शासकीय भूमि के संबंध में अंतिम निर्णय राज्य शासन अथवा उच्च न्यायालय के निर्णय के उपरांत ही किया जाएगा। जिला प्रशासन ने यह तथ्य भी व्यवहार न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है कि, संबंधित भूमि दिनांक 31.03.1962 को पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर शासन द्वारा क्रय की गई थी तथा वर्तमान में चांदमारी प्रयोजन में उपयोग हो रही है। बावजूद व्यवहार न्यायालय के प्रकरण क्रमांक 02अ/1989 नंदकिशोर प्रसाद विरुद्ध जगन व अन्य में पारित आदेश दिनांक 19.03.1991 का निष्पादन नहीं होने से प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, अंबिकापुर (पीठासीन अधिकारी पल्लव रघुवंशी) द्वारा अपर कलेक्टर सरगुजा को 17.04.2026 को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए सिविल जेल भेजे जाने, वहीं कलेक्टर सरगुजा को 23.07.2026 को कारण बताओ नोटिस जारी कर आदेश का पालन नहीं होने की स्थिति में न्यायालय की अवमानना के संबंध में उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़, बिलासपुर को सूचित किए जाने की जानकारी दी गई है।

अन्य भूमि को तीन समान भागों में बंटवारा का आदेश

इसके अनुसार व्यवहार वाद क्रमांक 02अ/1989 (पीठासीन अधिकारी बी.बी.एल. अग्रवाल) नंदकिशोर प्रसाद विरुद्ध श्रीमती सहोदरी व अन्य में पारित आदेश दिनांक 19.03.1991 के पालन हेतु तत्कालीन कलेक्टर द्वारा 03.07.2025 को जांच उपरांत नायब तहसीलदार को विधि के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश प्रदान किए गए हैं। इसी क्रम में व्यवहार वाद क्रमांक 02अ/1989 के निष्पादन में ग्राम श्रीगढ़ स्थित शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 15/1 एवं 19/1 को छोड़कर अन्य भूमि खसरा क्रमांक 165/1 एवं 186/1, रकबा क्रमशः 0.784 एवं 0.263 हेक्टेयर, कुल रकबा 1.047 हेक्टेयर का व्यवहार न्यायालय के आदेश दिनांक 19.03.1991 के अनुपालन में सक्षम राजस्व न्यायालय द्वारा तीन समान भागों में बंटवारे का आदेश 27.07.2026 को पारित कर दिया गया है।

गांवों के समग्र विकास से ही विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प होगा साकार

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। ग्राम पंचायतों को केवल योजनाओं के क्रियान्वयन की इकाई नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन, आर्थिक समृद्धि और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के केंद्र के रूप में विकसित करना होगा। यदि ग्राम पंचायतें सशक्त हों, गांव आत्मनिर्भर बनें और प्रत्येक ग्रामीण विकास की प्रक्रिया का सहभागी बने, तभी विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प वास्तविक रूप ले सकेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को नवा रायपुर स्थित एसआईआरडी परिसर, निमोरा में आयोजित प्रदेश के सभी जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक एवं कार्यशाला को संबोधित

करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ यही है कि, शासन की योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। ग्राम पंचायतें जनभागीदारी के माध्यम से आत्मनिर्भर गांव बनाने का सबसे प्रभावी मंच हैं। अधिकारियों को संवेदनशीलता, ईमानदारी और सेवा भाव के साथ कार्य करते हुए ग्रामीणों का विश्वास जीतना होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि शासकीय योजनाओं की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी, जब उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और गांव का प्रत्येक नागरिक स्वयं विकास यात्रा का सक्रिय भागीदार बने। उन्होंने प्रत्येक जिले में ऐसे गांवों की पहचान करने के निर्देश दिए, जहां जनभागीदारी, स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और प्रभावी योजना के माध्यम से आदर्श विकास मॉडल विकसित किए जा सकें।

विकसित भारत जी राम जी योजना से मिलेगी नई गति

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 जुलाई से लागू विकसित भारत जी राम जी योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने वाली महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के माध्यम से रोजगार सृजन के साथ-साथ स्थायी परिसंपत्तियों और गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना का निर्माण प्राथमिकता से किया जाए। इसके माध्यम से जल संरक्षण, कृषि, ग्रामीण अधोसंरचना, आजीविका और सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर प्रबंधन हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए। जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य, कृषि उत्पादकता, पशुपालन, मत्स्य पालन तथा स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग ही स्थायी विकास का आधार है। उन्होंने प्रत्येक जिले में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जल संरक्षण की कार्ययोजना तैयार करने तथा वर्षा जल संचयन एवं भूजल संवर्धन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

विधायक-एसडीएम बंगले के सामने पार्क में रेता प्रेमिका का गला

आरोपी आत्महत्या से पहले धराया, शक ने छीन ली नवयुवती की जिंदगी

अंधेरे में डूबे नेहरू पार्क की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

छ.ग.फ्रंटलाइन सूरजपुर। शहर के सबसे व्यस्ततम नेहरू पार्क में रविवार की शाम उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक ने अपनी कथित प्रेमिका का गला रेत दिया और भाग गया। युवक को शक था कि उसकी प्रेमिका किसी और से बात करती है और उससे उसके ताल्लुकात है। घटना के करीब दो घण्टे बाद आरोपी प्रेमी नेवरा में पकड़ा गया। यह घटना जहां हुई वह विधायक भूलन सिंह एवं एसडीम बंगला के ठीक सामने भीड़-भाड़ वाली जगह है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे है। नेहरू पार्क में प्रेम और शक के बीच हुए विवाद में प्यार के रिश्ते का खूनी अंत के मामले में पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मौके से मिले सुरागों के आधार पर कुछ ही घंटों में आरोपी को शहर से करीब 6 किलोमीटर दूर से गिरफ्तार कर लिया।

बताया गया है कि, लटोरी की 20 वर्षीया युवती राधिका राजवाड़े शहर सीमा से लगे गिरवरगंज में अपनी बहन के यहां रहकर सूरजपुर में काम करती थी। रविवार को मोबाइल से संपर्क के बाद राधिका अपने प्रेमी रितेश राजवाड़े के साथ शाम करीब 8 बजे नगर के नेहरू पार्क में पहुंची थी। पुलिस जांच के मुताबिक, दोनों कुछ समय तक पार्क में साथ बैठकर बातचीत किए। इसी दौरान प्रेमी रितेश ने राधिका पर किसी दूसरे युवक से बात करने का आरोप लगाया, जिस पर दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में रितेश अपने पास रखा चाकू निकाला और राधिका के गले को रेत दिया। हमला होते ही पार्क में अफरा-तफरी मच गई, इसी दौरान आरोपी बाइक लेकर मौके से फरार हो गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायल राधिका को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए अंबिकापुर रेफर कर दिया। अंबिकापुर ले जाते समय रास्ते में ही राधिका ने दम तोड़ दिया। युवती के मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया, वहीं शहर में भी घटना को लेकर आक्रोश का माहौल निर्मित हो गया। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। पार्क और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। मौके से मिले भौतिक साक्ष्यों और तकनीकी इनपुट के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की गई। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने संभावित ठिकानों पर दबिश दी और लगातार पीछा करते हुए आरोपी रितेश राजवाड़े को पीढ़ा क्षेत्र अंतर्गत यूकेलिप्टस के जंगल से घेराबंदी करके गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस के सामने प्रेम प्रसंग और दूसरे लड़के से बात करने से नाराज होकर इस घटना को अंजाम देने की बात सामने आई है। आरोपी के खिलाफ हत्या सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

हत्यारा प्रेमी करने वाला था आत्महत्या

बताया जा रहा है कि प्रेमिका पर चाकूबाजी की वारदात को अंजाम देने के बाद रितेश अपनी बाइक से फरार हो गया था। आरोपी रेल्वे ट्रेक पर आत्महत्या करने वाला था। परंतु वह नशे की हालत में बाइक चलाते हुए ग्राम पीढ़ा के समीप स्थित रेल्वे ब्रिज पार करके आगे निकल गया। रेल्वे ब्रिज पार करने का एहसास होते ही वह बाइक सड़क किनारे फेंक कर रेल्वे ट्रेक खोज रहा था, मगर अंधेरा होने के कारण वह उक्त स्थान तक नहीं पहुंच सका। इस बीच पुलिस उसके मोबाइल को ट्रेस करते वहां पहुंची गई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

आक्रोश की वजह...!

शहर के सबसे व्यस्त इलाके में हुई इस वारदात से लोगों आक्रोशित है। नेहरू पार्क में रोजना बड़ी संख्या में लड़की-लड़कों का आना होता है जो यहां पार्टी मनाते हैं। जिला मुख्यालय के इस पार्क में किसी प्रकार की कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। यहां सड़क पर लगी स्ट्रीट लाइट एवं पार्क की लाइटें महीनों से बंद है और अंधेरे का साम्राज्य है। पार्क के ठीक सामने विधायक निवास तो चंद कदम की दूरी पर व्यववस्था के लिए जिम्मेदार नगर पालिका कार्यालय है। मगर धृतराष्ट्र जनप्रतिनिधि अपनी आंख मूंदे हुए है। बड़ी संख्या में कई संदिग्ध लोग और जोड़े यहां प्रतिदिन आते हैं। मोहल्ले के लोगों ने इसकी कई बार शिकायत भी की है, मगर कोई जिम्मेदार सुनने वाला नहीं है।

जयनगर समिति में खाद घोटाले का खुलासा, प्रबंधक निलंबित, अध्यक्ष की जिम्मेदारी छिनी

छ.ग.फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। खरीफ सीजन में किसानों को खाद वितरण में अनियमितता और लाखों रुपये के उर्वरक घोटाले के मामले में आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित जयनगर पर बड़ी कार्रवाई हुई है। उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं सूरजपुर ने समिति प्रबंधक श्यामलाल प्रजापति को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, वहीं समिति के अध्यक्ष एवं प्राधिकृत अधिकारी देवधन राम बिंझिया से भी बोर्ड की शक्तियां वापस ले ली गई हैं।

जानकारी के अनुसार, किसानों को खाद नहीं मिलने और कालाबाजारी की लगातार शिकायतों के बाद कलेक्टर रेना जमील के निर्देश पर उप पंजीयक अनिल कुमार ने समिति की औचक जांच कराई। जांच दौरान समिति में उर्वरक स्टॉक के भौतिक सत्यापन में करीब 35 से 40 लाख मूल्य का खाद कम पाया गया और समिति प्रबंधक को तत्काल निलंबित कर दिया गया है। उप पंजीयक ने सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 49 (8) के तहत जारी आदेश में देवधन राम बिंझिया के स्थान पर जॉन केरकेट्टा अंकेक्षण अधिकारी को समिति के बोर्ड की शक्तियों के प्रयोग के लिए अधिकृत किया है। यह आदेश 28 जुलाई से प्रभावी किया गया है। विस्तृत जांच में गड़बड़ी करने वालों की भूमिका के भी जांच के निर्देश कलेक्टर ने दिए हैं। सूत्रों के अनुसार कलेक्टर ने मामले की विस्तृत जांच और एफआईआर दर्ज कराने के लिए सुरजपुर एसडीएम शिवानी जायसवाल को निर्देश दिए हैं। अधिकारियों का मानना है कि गहन जांच में घोटाले की राशि और बढ़ सकती है।

सीतापुर में एक करोड़ की जेवरात चोरी के बाद सरगुजा पुलिस अलर्ट

जिले भर में बैंक, एटीएम और ज्वेलर्स दुकानों का औचक निरीक्षण

संदिग्धों से कड़ी पूछताछ, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़े निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के सीतापुर में ज्वेलरी दुकान में हुई एक करोड़ की जेवरात चोरी की घटना के बाद सरगुजा पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गई है। आपराधिक घटनाओं की रोकथाम और वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देश पर जिले भर में बैंकों, एटीएम और सर्राफा दुकानों का औचक निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। डीआईजी एवं एसएसपी ने जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्र में स्थित सभी आभूषण दुकानों, राष्ट्रीयकृत और निजी बैंकों, एटीएम एवं अन्य वित्तीय संस्थानों की औचक जांच करें और सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा करें। इसी क्रम में सोमवार को जिले के सभी थाना/चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने वित्तीय संस्थानों का औचक निरीक्षण किया।

पुलिस ने दिए ये अहम निर्देश

सभी बैंक प्रबंधकों और ज्वेलर्स दुकान संचालकों को हाई फ्रीक्वेंसी वाले सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही वित्तीय संस्थानों में आपातकालीन अलार्म सिस्टम लगाने को कहा गया ताकि बंद होने के बाद अनाधिकृत प्रवेश की तुरंत जानकारी मिल सके। बैंकों और ज्वेलर्स दुकानों में तैनात गार्डों को मुस्तैद रहने और सतर्कता

बरतने के निर्देश दिए गए। एटीएम में भी सुरक्षा गार्ड की अनिवार्य तैनाती पर जोर दिया गया। बैंक परिसर और ज्वेलर्स दुकानों के आसपास अनावश्यक रूप से घूम रहे व्यक्तियों से कड़ी पूछताछ की गई। सुरक्षा पंजी में की गई टिप्पणियों का अक्षरशः पालन करने कहा गया। डीआईजी एवं एसएसपी ने पुलिस पेट्रोलिंग टीमों को वित्तीय संस्थानों और ज्वेलर्स दुकानों के आसपास प्रभावी पेट्रोलिंग करने और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

तत्काल सूचना देने की अपील

पुलिस ने बैंक प्रबंधकों और दुकान संचालकों से कहा कि परिसर में किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत डॉयल 112 या संबंधित थाना/चौकी प्रभारी के मोबाइल नंबर पर सूचना दें। सरगुजा पुलिस का यह अभियान आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी रोकथाम और आम जनता में सुरक्षा का भाव बढ़ाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

सर्राफा एसोसिएशन ने आईजी से हस्तक्षेप करने की मांग

26 जुलाई को काशी विश्वनाथ ज्वेलर्स में हुई बड़ी चोरी के मामले में छत्तीसगढ़ सर्राफा एसोसिएशन ने पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज से मुलाकात करके उन्हें ज्ञापन सौंपा और त्वरित और सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।एसोसिएशन ने पत्र में उल्लेख किया है कि, चोरी कर इस वारदात में दुकानदार अरुण देव सोनी के जीवन भर की जमा पूंजी खत्म हो गई है। सोना-चांदी के सारे आभूषण चोरी होने से पूरा परिवार सदमे में है। पत्र में उल्लेख किया गया कि पूर्व में रामानुजगंज में हुई सराफा डकैती में उनके त्वरित निर्देशों से पूरा माल बरामद करने में सफलता मिली थी, और दोषियों पर कार्रवाई हुई थी। आईजी से एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आग्रह किया है कि, सीतापुर की घटना को भी गंभीरता से लेते हुए चोरी गए संपूर्ण माल की शीघ्र बरामदगी के लिए उचित निर्देश दिए जाएं, ताकि पीड़ित परिवार को राहत मिल सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान एसोसिएशन के संरक्षक हरी प्रसाद सोनी, जोन प्रभारी गोपेन्द्र सोनी, जिला प्रभारी निलेश सोनी सहित अन्य उपस्थित थे। आईजी ने इन्हें सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया है।

जर्जर सड़क और टूटे पुल को लेकर युवाओं ने किया सांकेतिक चक्काजाम

15 दिनों में वैकल्पिक व्यवस्था का आश्वासन मिलने पर स्थगित हुआ आंदोलन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत संजयनगर से बनारस मार्ग तक जर्जर पड़ी सड़क और ग्राम पंचायत राजापुरङ्कैलाशपुर के बीच बेलसोता नाला पर क्षतिग्रस्त पुल की समस्या को लेकर सोमवार को क्षेत्र में जनआक्रोश खुलकर सामने आया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत युवा कांग्रेस भटगांव विधानसभा अध्यक्ष विक्की समद्दार के नेतृत्व में संजयनगर महावीरपुर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने सांकेतिक चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए जल्द सड़क और पुल की समस्या का समाधान करने की मांग उठाई। प्रदर्शन में शामिल लोगों का कहना था कि लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं के अभाव में क्षेत्र की जनता परेशान है, लेकिन बार-बार ज्ञापन देने के बावजूद जिम्मेदार विभागों ने अब तक कोई ठोस पहल नहीं की। इसी नाराजगी के चलते लोगों को सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष विक्की समद्दार ने कहा कि ग्राम पंचायत संजयनगर से बनारस मार्ग तक की सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे और उखड़ी हुई सड़क के कारण रोजाना राहगीरों, स्कूली बच्चों, बाइक सवारों और ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग सड़क पर फिसलकर घायल हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यह मार्ग क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, जिसकी अनदेखी आम जनता की सुरक्षा से खिलवाड़ है।

उन्होंने कहा कि राजापुर और कैलाशपुर के बीच स्थित बेलसोता नाला पर बना पुल लगभग एक वर्ष पहले क्षतिग्रस्त हो गया था। बारिश के मौसम में पुल से आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है, जिससे कई गांवों का मुख्य मार्ग से संपर्क टूट जाता है। ग्रामीणों को कई किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ता है। पुल निर्माण की स्वीकृति और तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में रपटा निर्माण की मांग भी कई बार प्रशासन से की गई, लेकिन अब तक कोई कार्य शुरू नहीं हुआ। उक्त गंभीर समस्या को लेकर पहले भी कई बार जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे गए थे। हाल ही में कलेक्टर सूरजपुर को भी आवेदन देकर सड़क की तत्काल मरम्मत और बेलसोता नाला पर पुल निर्माण अथवा वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की गई थी। बावजूद इसके प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई नहीं होने से क्षेत्रवासियों में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही थी। चक्काजाम की सूचना मिलते ही सुरजपुर एसडीएम शिवानी जायसवाल, लटोरी तहसीलदार तक्षशिला जायसवाल, एसडीओपी अभिषेक पैकरा, जयनगर प्रभारी थाना प्रभारी सोहन सिंह, लटोरी चौकी प्रभारी सुनील सिंह, पीएमजीएसवाई के अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से चर्चा की।

इस दौरान सूरजपुर एसडीएम शिवानी जायसवाल ने 15 दिनों के भीतर बेलसोता नाला पर वैकल्पिक व्यवस्था के तहत शुरू हुए ग्राम पंचायत कंदरई बासेनपारा में सड़क मरम्मत कार्य व संजयनगर महावीरपुर में बनारस बाई पास मार्ग का मरम्मत कराने आश्वासन दिया। प्रशासन के आश्वासन उपरांत आंदोलन को स्थगित कर दिया गया। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर सड़क की मरम्मत और पुल की समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो भविष्य में और व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष शशि सिंह, दानिश रफीक, संगठन महामंत्री संजय डोसी, वेद प्रकाश मिश्र, बबीता गुप्ता, लिली राजवाड़े, लटोरी ब्लाक अध्यक्ष कंवल बिहारी सिंह टेकाम, प्रेम राजवाड़े, सुनील कुमार सारथी, संजीत यादव, अभिषेक श्रीवास्तव, विनय गुप्ता, तपन सिकदार, अभिषेक सिंह सोमू, अजित यादव, राहुल सिंह, अभय लकड़ा, गोविंदा पावले, विक्की वैष्णव, अभिषेक चौधरी, लतीफ अंसारी, अंचल रूपी टोप्पो, आनंदी लकड़ा, सीमा पैकरा, अनिल यादव, मिक्का, अशोक यादव, सूरज चौधरी व अन्य उपस्थित थे।

समूह की महिलाओं ने बैंक एजेंट पर लगाया लाखों की ठगी का आरोप

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ कथित आर्थिक ठगी का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत मदनपुर के खालपारा की दो महिलाओं ने बैंक एजेंट पर उनके नाम से लाखों रुपए का ऋण निकालकर राशि हड़पने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित महिलाओं ने जयनगर थाने में लिखित शिकायत देकर रकम वापस दिलाने और आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार ग्राम पंचायत मदनपुर खालपारा निवासी शकुन केरकेट्टा और सावित्री राजवाड़े सहित गांव की चार महिलाओं ने सरस्वती वंदना नाम से स्वयं सहायता समूह का गठन किया था। समूह की महिलाओं का आरोप है कि ग्राम पंचायत रविन्द्रनगर निवासी जूली करतनिया जो स्वयं को बैंक एजेंट बताकर विभिन्न समूहों को ऋण दिलाने का कार्य करती है, ने समूह के दस्तावेज अपने पास लेकर विभिन्न बैंकों से उनके नाम पर ऋण स्वीकृत कराया है। महिलाओं का कहना है कि एजेंट ने अनपूर्णा बैंक, एचडीएफसी बैंक और हिसाब बैंक से उनके नाम पर लोन निकलवाया। आरोप है कि समूह की दो महिलाओं नीलमणी पंडो और सुकवारो अगरिया को ऋण की राशि दे दी गई, लेकिन शकुन केरकेट्टा और सावित्री राजवाड़े को एक भी रुपए नहीं दिए गए।

पीड़ित महिलाओं का दावा है कि उन्हें इस पूरे मामले की जानकारी तब हुई, जब संबंधित बैंकों के कर्मचारी ऋण की किस्त वसूलने उनके घर पहुंचे। बैंक कर्मियों ने बताया कि शकुन केरकेट्टा के नाम पर 1.50 लाख रुपए तथा सावित्री राजवाड़े के नाम पर 1 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत होकर निकाला जा चुका है। यह सुनकर दोनों महिलाएं हैरान रह गईं, क्योंकि उन्हें न तो ऋण मिलने की जानकारी थी और न ही कोई राशि प्राप्त हुई थी। महिलाओं का आरोप है कि एजेंट ने उनके नाम पर निकाली गई पूरी रकम स्वयं रख ली और अब वापस करने से इंकार कर रही है। दूसरी ओर बैंक लगातार ऋण की किश्त जमा करने का दबाव बना रहे हैं, जिससे दोनों महिलाएं मानसिक और आर्थिक परेशानी का सामना कर रही हैं। पीड़ितों ने जयनगर थाना प्रभारी को सौंपे गए आवेदन में मांग की है कि उनके नाम पर निकाली गई राशि वापस दिलाई जाए तथा आरोपी महिला के खिलाफ ठगी और अन्य संबंधित धाराओं के तहत कठोर कार्रवाई की जाए। शिकायत पर जयनगर पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जर्जर सड़क और धूल से बढ़ी परेशानी को लेकर भाजयुमो नेता ने सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कल्याणपुर से दतिमा मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर क्षेत्रवासियों में बढ़ती नाराजगी को लेकर आज भाजयुमो के प्रदेश खेल एवं कला प्रमुख रविन्द्र भारती ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में भाजयुमो के प्रदेश खेल एवं कला प्रमुख रविंद्र भारती ने उल्लेख किया है कि कल्याणपुर-दतिमा मार्ग की स्थिति काफी दयनीय हो गई है। सड़क पर बड़े बड़े गड्ढे होने से आमजन को आवागमन मैबकाफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही भारी वाहनों की आवाजाही से हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। भारती ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर इस महत्वपूर्ण सड़क की जर्जर हालत,

बढ़ते सड़क हादसों और भारी वाहनों के अनियंत्रित आवागमन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। उल्लेख किया गया है कि कल्याणपुर-दतिमा मार्ग से प्रतिदिन गिट्टी और कोयले से लदे भारी वाहन बड़ी संख्या में गुजरते हैं। इन वाहनों के लगातार आवागमन से सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। रविंद्र भारती ने कहा कि भारी वाहनों की वजह से सड़क पर उड़ने वाली धूल से आसपास के गांवों के लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों को सांस संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से मांग की गई है कि भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया जाए, ताकि कल्याणपुर-दतिमा मार्ग पर दबाव कम हो सके। साथ ही बिना वैध अनुमति के इस मार्ग से गुजरने वाले भारी वाहनों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए उनके आवागमन पर रोक लगाई जाए। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन ने जल्द ही इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया, तो क्षेत्र की जनता के साथ मिलकर जनहित में उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

चार लेबर कोड बिल और कार्यस्थल पर सुरक्षा अधिकारों को लेकर महिला कर्मचारी हुईं जागरूक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक के क्षेत्रीय कार्यालय में विश्रामपुर क्षेत्र में कार्यरत महिला कर्मचारियों का एक सम्मेलन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की महिला कोल कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए संगठन की मजबूती का संकल्प उठाया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महिला संगठन का सशक्तिकरण करना, कार्यक्षेत्र में महिला साथियों को आने वाली रोजमर्रा की कठिनाइयों व चुनौतियों से जूझने के व्यावहारिक तरीके सिखाना तथा नए 4 लेबर कोड बिल के लागू होने के पश्चात महिलाओं के प्रति कानून में आए बड़े बदलावों और अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की शुरुआत व्हीसी जैन के स्वागत भाषण के साथ हुई।

मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय उप महासचिव एवं कंपनी वेलफेयर बोर्ड मेंबर राजेश शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हीरालाल द्वारा की गई। अन्य अतिथियों में वरिष्ठ महिला पदाधिकारी श्रीमती भारती सिंह मंच पर उपस्थित रहीं। मंच का संचालन श्रीमती रूबी मिश्रा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि राजेश शर्मा ने कहा कि संगठन की असली ताकत हमारी महिला साथी हैं। उन्होंने नए 4 लेबर कोड बिल के बाद महिलाओं को मिलने वाले कानूनी अधिकारों, सुरक्षा मानकों और कार्यस्थल पर उनकी अनिवार्य सहूलियतों पर विस्तार से प्रकाश डाला। श्रीमती भारती सिंह ने कार्यस्थल पर महिलाओं को आने वाली मानसिक व शारीरिक बाधाओं पर बात की और उनसे निपटने के लिए पॉश एक्ट व अन्य कानूनी सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। उन्होंने साफ किया कि अब नए नियमों के तहत नाइट शिफ्ट में महिलाओं की सुरक्षा, परिवहन व्यवस्था, बुनियादी सुविधाएं और खदानों में महिलाओं की सुरक्षा व न्यूनतम उपस्थिति को लेकर प्रबंधन को हर हाल में कड़े नियमों का पालन करना होगा। कार्यक्रम में जया कुमारी एवं रंजीत कौर ने भी अपने विचारों से आगंतुकों को बेहद प्रभावित कर महिलाओं को एकजुट रहने का आह्वान किया।

अध्यक्षता कर रहे हीरालाल ने सम्मेलन की सफलता पर सभी को बधाई देते हुए उन्होंने सभी उपस्थित महिला साथियों को विश्वास दिलाया कि संगठन हर महिला कर्मचारी की गरिमा और हक की लड़ाई में हमेशा एक चट्टान की तरह खड़ा रहेगा। इसके पश्चात उन्होंने कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। विश्रामपुर क्षेत्र की महिलाओं की इस उपस्थिति ने यह साबित कर दिया कि आने वाले समय में संगठन के नेतृत्व और निर्णयों में महिलाओं की भूमिका सबसे अहम होने जा रही है। कार्यक्रम के अंत में सजल मित्रा ने आभार व्यक्त किया।

नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर कांग्रेस का विजय मार्च

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में चले आंदोलन और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी सूरजपुर की अध्यक्ष शशि सिंह के नेतृत्व में ग्राम पंचायत संजयनगर महावीरपुर में विजय मार्च निकाला गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसे देश के छात्रों, युवाओं और कांग्रेस के संघर्ष की बड़ी जीत बताते हुए एकजुटता का प्रदर्शन किया।

विजय मार्च में कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा और कांग्रेस के झंडे लेकर गांव की प्रमुख सड़कों पर रैली निकाली तथा युवाओं के हितों और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग को लेकर नारे लगाए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष शशि सिंह ने कहा कि नीट पेपर लीक ने देश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। इस मुद्दे को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों ने व्यापक आंदोलन किया था, जिसमें देशभर से युवाओं ने भाग लेकर अपनी आवाज बुलंद की। इसके बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी इस मुद्दे को मजबूती से उठाया और प्रधानमंत्री आवास के घेराव सहित लगातार सरकार पर दबाव बनाया।छात्रों और युवाओं के संघर्ष तथा राहुल गांधी के नेतृत्व में चले आंदोलन के कारण केंद्र सरकार को आखिरकार झुकना पड़ा और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लेना पड़ा। उन्होंने विजय मार्च के दौरान कहा कि यह किसी एक राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि देश के उन लाखों मेहनती छात्रों की जीत है, जिन्होंने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और न्याय की मांग को लेकर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आगे भी युवाओं के अधिकारों, रोजगार, शिक्षा और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था के मुद्दों पर लगातार आवाज उठाती रहेगी। विजय मार्च के दौरान दानिश रफीक, संगठन महामंत्री संजय डोसी, वेद प्रकाश मिश्र, विक्की समद्दार, बबीता गुप्ता, लिली राजवाड़े, लटोरी ब्लाक अध्यक्ष कंवल बिहारी सिंह टेकाम, प्रेम राजवाड़े, सुनील कुमार सारथी, संजीत यादव, अभिषेक श्रीवास्तव, विनय गुप्ता, तपन सिकदार, अभिषेक सिंह सोमू, अजित यादव, राहुल सिंह, अभय लकड़ा, गोविंदा पावले, विक्की वैष्णव, अभिषेक चौधरी, लतीफ अंसारी, अंचल रूपी टोप्पो, आनंदी लकड़ा, सीमा पैकरा, अनिल यादव, मिक्का, अशोक यादव, सूरज चौधरी व अन्य उपस्थित थे।

लैंगिक उत्पीड़न पर महिलाएं दर्ज करा सकती हैं शिकायत

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं भयमुक्त कार्य वातावरण उपलब्ध कराना प्रत्येक संस्थान एवं समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिसके लिए महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 लागू किया गया है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले की समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय, निजी संस्थाओं, कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों से अपील की गई है कि वे इस अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने आंतरिक शिकायत समिति को क्रियाशील रखें।

उन्होंने बताया कि जिस भी कार्यालय, संस्था अथवा प्रतिष्ठान में 10 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां इस अधिनियम के तहत आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाना अनिवार्य है। यदि किसी महिला कर्मचारी के साथ कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की घटना घटित होती है, तो वह निर्धारित समयावधि के भीतर इस समिति के समक्ष लिखित शिकायत प्रस्तुत कर सकती है। समिति शिकायत प्राप्त होने पर निष्पक्ष जांच कर अपनी अनुशंसा सक्षम प्राधिकारी को प्रस्तुत करती है, जिसके आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाती है।

ऐसे कार्यस्थल जहां 10 से कम कर्मचारी कार्यरत हों अथवा जहां आंतरिक शिकायत समिति का गठन संभव न हो, वहां पीड़ित महिला जिला स्तर पर गठित स्थानीय शिकायत समिति के समक्ष अपनी शिकायत प्रस्तुत कर सकती है। घरेलू कार्यकर्ता भी अपनी शिकायत स्थानीय शिकायत समिति के समक्ष दर्ज करा सकती हैं। समिति शिकायत की गोपनीयता बनाए रखते हुए निष्पक्ष जांच करती है तथा आवश्यक अनुशंसा संबंधित प्राधिकारी को भेजती है।

निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष अधिनियम केवल नियमित महिला कर्मचारियों तक सीमित नहीं है। संविदा कर्मचारी, दैनिक वेतनभोगी, प्रशिक्षु, स्वयंसेवक, परामर्शदाता, अस्थायी कर्मचारी तथा कार्यस्थल से जुड़े अन्य रूपों में कार्यरत महिलाएं भी इस अधिनियम के अंतर्गत संरक्षण प्राप्त करने की पात्र हैं।

पीड़ित महिला घटना की जानकारी लिखित रूप में संबंधित आंतरिक शिकायत समिति अथवा स्थानीय शिकायत समिति को प्रस्तुत कर सकती है। आवश्यकता पड़ने पर शिकायत तैयार करने में भी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। शिकायतकर्ता की पहचान एवं शिकायत से संबंधित समस्त जानकारी पूर्णत: गोपनीय रखी जाती है तथा शिकायत दर्ज कराने के कारण किसी भी प्रकार के प्रतिशोध या भेदभाव से संरक्षण प्रदान किया जाता है। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने जिले की सभी महिला कर्मचारियों एवं कार्यरत महिलाओं से आग्रह किया है कि यदि उनके साथ कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार का लैंगिक उत्पीड़न, अभद्र व्यवहार, अशोभनीय टिप्पणी, अवांछित शारीरिक या मौखिक व्यवहार अथवा अन्य अनुचित आचरण होता है, तो वे बिना किसी भय के संबंधित शिकायत समिति से संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

तीन मीट्रिक टन डीएपी खाद सहित एक पिकअप वाहन जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में उर्वरकों के अवैध परिवहन, विक्रय और भण्डारण पर अंकुश लगाने हेतु कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में संयुक्त टीम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम रघुनाथनगर में कृषि विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए बिना वैध दस्तावेजों के परिवहन किए जा रहे 60 बोरी (3 मीट्रिक टन) डीएपी खाद के साथ एक पिकअप वाहन को जब्त किया है।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी एवं उनकी टीम ने ग्राम रघुनाथनगर में एक पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 टी 3538 का जांच किया। जांच में उक्त पिकअप वाहन में 60 बोरी डीएपी खाद पाया गया।

जिस पर चालक अशोक कुमार द्वारा खाद के परिवहन से संबंधित कोई भी वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया।

बिना वैध दस्तावेजों के अवैध रूप से खाद का परिवहन किए जाने की पुष्टि होने पर, रघुनाथनगर थाना प्रभारी द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए डीएपी खाद से भरे पिकअप को जब्त किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी श्री धीरेंद्र तिवारी, उर्वरक निरीक्षण श्री भूपेश गुप्ता, वरिष्ठ विकास अधिकारी, आरएईओ मौजूद रहे।

दो ट्रकों से टायर, बैटरी समेत डेढ़ लाख के सामान अज्ञात चोरों ने किया पार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत सतपता में खड़े दो वाहनों से अज्ञात चोरों ने लाखों रुपए के सामान चोरी कर लिए हैं। पीड़ित वाहन स्वामी योगेन्द्र दुबे ने बिश्रामपुर पुलिस को आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दिए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ट्रक वाहन क्रमांक सीजी 15 एच 1969 एवं सीजी 15 एसी 4359 से 26 जुलाई की रात अज्ञात चोरों ने टायर, बैटरियां, जैक, व्हील पाना, जैक रॉड एवं बैटरी टर्मिनल सहित करीब डेढ़ लाख रुपए का सामान चोरी कर लिया है। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस को कुछ संदेही युवकों के नाम भी बताए हैं। सूचना पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है।

के.आर. टेक्निकल कॉलेज में 'क्लासरूम टीचिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंटीग्रेशन' विषय पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का शुभारंभ

मुख्य अतिथि डॉ. एच. एस. होता ने किया वर्चुअल लैब का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

के.आर. टेक्निकल कॉलेज, संजय नगर के आईक्यूएसी एवं कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा 'क्लासरूम टीचिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंटीग्रेशन' विषय पर आयोजित पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का शुभारंभ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, अम्बिकापुर के कंप्यूटर विज्ञान विभाग तथा छत्तीसगढ़ सूचना प्रौद्योगिकी सोसायटी (सीजीएसआईटी) के सहयोग से किया जा रहा है। स्वागत उद्बोधन में महाविद्यालय की निदेशक डॉ. रीनू जैन ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन ला रहा है। यह शिक्षण, अधिगम एवं मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, सरल एवं परिणामोन्मुख बना रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न आयामों का अध्ययन कर आधुनिक तकनीकों का प्रभावी उपयोग करते हुए क्लासरूम टीचिंग को अधिक नवाचारपूर्ण, गुणवत्तापूर्ण एवं विद्यार्थी-केंद्रित बना सकेंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ. रेशम लाल प्रधान, सह-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, अम्बिकापुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक उपयोग हो रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति2020 शिक्षा में प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल शिक्षण को विशेष महत्व देती है। उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष, ऑनलाइन, मिश्रित तथा वर्चुअल शिक्षण व्यवस्था में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभावी इंटीग्रेशन हो चुका है।

दूरस्थ एवं पिछड़े क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने क्लासरूम टीचिंग को अधिक सरल, सुलभ, सहभागितापूर्ण एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर बल दिया। मुख्य अतिथि डॉ. एच. एस. होता, सदस्य, छत्तीसगढ़ सूचना प्रौद्योगिकी सोसायटी (सीजीएसआईटी) ने अपने उद्बोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग केवल शिक्षण संस्थानों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का इंडिया एआई मिशन इस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। उन्होंने शिक्षकों से चैटजीपीटी, जेमिनी एवं कोपायलट जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित उपकरणों का उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भविष्य उत्तरदायी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है। साथ ही उन्होंने अम्बिकापुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एक उत्कृष्ट केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण के.आर. टेक्निकल कॉलेज की वर्चुअल लैब का शुभारंभ रहा। मुख्य अतिथि डॉ. एच. एस. होता ने वर्चुअल लैब का उद्घाटन करते हुए इसे आधुनिक तकनीकी शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि वर्चुअल लैब के माध्यम से विद्यार्थी किसी भी स्थान से अध्ययन, अभ्यास एवं विभिन्न प्रयोगों का अनुभव प्राप्त कर सकेंगे, जिससे उनकी तकनीकी दक्षता, व्यावहारिक समझ एवं नवाचार क्षमता का विकास होगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं कंप्यूटर विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. रितेश वर्मा ने वर्चुअल लैब की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया कि इसमें 200 से अधिक वर्चुअल एक्सपेरिमेंट उपलब्ध हैं, जिनके माध्यम से विशेष रूप से कंप्यूटर विज्ञान, भौतिकी, भूगोल, बॉटनी, जूलॉजी, केमिस्ट्री एवं अन्य तकनीकी विषयों का प्रयोगात्मक अध्ययन सरल एवं प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। उन्होंने प्रतिभागियों को वर्चुअल लैब में पंजीयन की प्रक्रिया से भी अवगत कराया। उद्घाटन सत्र के समापन अवसर पर महाविद्यालय के उपाध्यक्ष श्री राहुल जैन ने अध्यक्षीय उद्बोधन एवं आभार प्रदर्शन करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा जगत में परिवर्तन का सशक्त माध्यम बन चुका है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम समय की आवश्यकता हैं और देशभर में नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम से प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित शिक्षण के अनेक नवीन आयामों की जानकारी प्राप्त होगी, जिसका लाभ विद्यार्थियों तक भी पहुँचेगा। अंत में उन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, विषय विशेषज्ञों, प्रतिभागियों, आयोजन समिति, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। अध्यक्षीय उद्बोधन एवं आभार प्रदर्शन के साथ उद्घाटन सत्र का समापन हुआ। उद्घाटन सत्र के उपरांत प्रथम दिवस के तकनीकी सत्र प्रारंभ हुए। प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. रीनू जैन ने 'शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का परिचय' विषय पर व्याख्यान देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका, आवश्यकता एवं उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके पश्चात द्वितीय तकनीकी सत्र में डॉ. रितेश वर्मा ने 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से प्रश्नोत्तरी एवं गृहकार्य का निर्माण' विषय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित विभिन्न उपकरणों की सहायता से प्रश्नोत्तरी, गृहकार्य एवं अन्य शिक्षण सामग्री तैयार करने की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष प्रदर्शन कराया तथा स्वयं अभ्यास करने का अवसर भी प्रदान किया। यह पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम 27 से 31 जुलाई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के आगामी तकनीकी सत्रों में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विशेषज्ञ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित शिक्षण, वर्चुअल लैब, आधुनिक डिजिटल उपकरणों, नवीन मूल्यांकन पद्धतियों तथा डिजिटल शिक्षा के विविध आयामों पर व्याख्यान एवं प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ, यही सुशासन की कसौटी:मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।ग्राम पंचायतों को केवल योजनाओं के क्रियान्वयन की इकाई नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन, आर्थिक समृद्धि और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के केंद्र के रूप में विकसित करना होगा। यदि ग्राम पंचायतें सशक्त हों, गांव आत्मनिर्भर बनें और प्रत्येक ग्रामीण विकास की प्रक्रिया का सहभागी बने, तभी विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प वास्तविक रूप ले सकेगा।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित एसआईआरडी परिसर, निमोरा में आयोजित प्रदेश के सभी जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक एवं कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ यही

है कि शासन की योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। ग्राम पंचायतें जनभागीदारी के माध्यम से आत्मनिर्भर गांव बनाने का सबसे प्रभावी मंच हैं। अधिकारियों को संवेदनशीलता, ईमानदारी और सेवा भाव के साथ कार्य करते हुए ग्रामीणों का विश्वास जीतना होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों से कहा कि शासकीय योजनाओं की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी, जब उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और गांव का प्रत्येक नागरिक स्वयं विकास यात्रा का सक्रिय भागीदार बने। उन्होंने प्रत्येक जिले में ऐसे गांवों की पहचान करने के निर्देश दिए, जहां जनभागीदारी, स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और प्रभावी योजना के माध्यम से आदर्श विकास मॉडल विकसित किए जा सकें।

विकसित भारत जी राम जी योजना से ग्रामीण विकास को मिलेगी नई गति

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 1 जुलाई से लागू विकसित भारत जी राम जी योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने वाली महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के माध्यम से रोजगार सृजन के साथ-साथ स्थायी परिसंपत्तियों और गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना का निर्माण प्राथमिकता से किया जाए। इसके माध्यम से जल संरक्षण, कृषि, ग्रामीण अधोसंरचना, आजीविका और सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मैरमगढ़ की बेटियों को मिला सुरक्षित, सुविधायुक्त और बेहतर शैक्षणिक वातावरण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।छात्राएं अब पक्के, सुरक्षित और सुविधायुक्त विद्यालय भवन में बेहतर और आधुनिक माहौल में पढ़ाई कर रही हैं, जिससे उनकी शिक्षा और उपस्थिति में सुधार हो रहा है। जिला बीजापुर के विकासखंड भैरमगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। कन्या शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला के नए भवन का निर्माण पूरा हो गया है। कभी कच्चे और अस्थायी भवन में पढ़ाई करने वाली छात्राएं अब पक्के, सुरक्षित और सुविधायुक्त विद्यालय भवन में अध्ययन कर सकेंगी।

शिक्षा विभाग की स्वीकृति से हुआ भवन निर्माण

विद्यालय भवन के अभाव में छात्राओं को लंबे समय तक अस्थायी व्यवस्था में पढ़ाई करनी पड़ती थी। इससे उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग (डीपीआई) द्वारा नए विद्यालय भवन के निर्माण को स्वीकृति दी गई। वर्ष 2025-26 में प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद भवन निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। निर्माण कार्य वर्ष 2026-27 में पूरा कर लिया गया है। नए भवन के निर्माण से छात्राओं को पढ़ाई के लिए बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

बेहतर वातावरण में होगा छात्राओं का सर्वांगीण विकास

नए विद्यालय भवन से छात्राओं को सुरक्षित और सुविधायुक्त वातावरण मिलेगा। इससे उनकी पढ़ाई में सुविधा होगी और विद्यालय में शिक्षा का वातावरण और अधिक मजबूत होगा। बेहतर सुविधाओं के साथ छात्राओं के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

ग्रामीण क्षेत्र में बालिका शिक्षा को मिलेगी मजबूती

यह नया विद्यालय भवन भैरमगढ़ क्षेत्र की बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पक्के भवन की सुविधा मिलने से छात्राओं में पढ़ाई के प्रति उत्साह बढ़ेगा और ग्रामीण क्षेत्र में बालिका शिक्षा को भी नई मजबूती मिलेगी। कच्ची पाठशाला से पक्के विद्यालय तक का यह सफर शिक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता और बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के संकल्प को दशार्ता है।

नागरिक सुविधाओं को नई पहचान दे रहे सेवा सेतु केंद्र

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।राज्य शासन द्वारा कई तरह की शासकीय सेवाएं एक ही स्थान पर सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के ''सेवा सेतु केंद्र'' संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से जाति, निवास, आय, विवाह, जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र सहित अनेक आवश्यक सेवाओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है, जिससे लोगों के समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है तथा शासन की सेवाओं तक उनकी पहुंच और अधिक सुगम बन रही है।बिलासपुर

के मस्तुरी विकासखंड के सेवा सेतु केंद्र में श्री शुभम यादव ने विवाह प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन प्राप्त होने के बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए उनका विवाह प्रमाण पत्र शीघ्र तैयार कर उपलब्ध करा दिया गया। शुभम यादव ने बताया कि सेवा सेतु केंद्र की व्यवस्था से उन्हें बिना किसी परेशानी के समय पर प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन, जिला प्रशासन तथा सेवा सेतु केंद्र के कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल आम नागरिकों के लिए अत्यंत उपयोगी और सुविधाजनक साबित हो रही है। सेवा सेतु केंद्र शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से नागरिकों को पारदर्शी, सरल और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराकर राज्य में सुशासन को मजबूती प्रदान की जा रही है।

पीडीएस के माध्यम से लाखों परिवारों तक पहुंच रही खाद्य सुरक्षा की गारंटी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।शासन द्वारा आमजनों की खाद्य सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी दिशा में विष्णु के सुशासन में मुंगेली जिले में खाद्य सुरक्षा अधिक सशक्त हुई है। जिला प्रशासन की पहल पर जिले की शत-प्रतिशत आबादी को खाद्य सुरक्षा के दायरे में लाने का लक्ष्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। इसका लाभ जिले के लाखों नागरिकों को नियमित रूप से मिल रहा है।जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि जनवरी 2024 में जिले में 02 लाख 17 हजार 118 राशन कार्डधारी थे, जो वर्तमान में बढ़कर 02 लाख 60 हजार 158 हो गए हैं। अर्थात विगत ढाई वर्षों में 43 हजार 40 नए राशन कार्ड बनाए गए हैं तथा 54 हजार 252 नए सदस्यों को खाद्य सुरक्षा योजना से जोड़ा गया है।यह उपलब्धि शासन की जनहितैषी नीतियों तथा प्रशासन

की सक्रिय कार्यप्रणाली का परिणाम है। राशन कार्डों के नवीनीकरण अभियान में भी जिले ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। जिले के 02 लाख 17 हजार 179 राशन कार्डों में से 02 लाख 09 हजार 299 राशन कार्डों का सफलतापूर्वक नवीनीकरण किया जा चुका है, जिससे हितग्राहियों को बिना किसी बाधा के योजनाओं का लाभ मिल रहा है। जिले में वर्तमान में 02 लाख 49 हजार 585 राशन कार्डधारियों को प्रत्येक माह निःशुल्क फोर्टिफाइड चावल उपलब्ध कराया जा रहा है। आयरन, फोलिक एसिड एवं अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से समृद्ध यह फोर्टिफाइड चावल कुपोषण एवं एनीमिया जैसी समस्याओं से लड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।इससे खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ पोषण सुरक्षा भी सुनिश्चित हो रही है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के प्रभावी संचालन का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जुलाई माह में 05 हजार 946 टन से अधिक चावल का सफलतापूर्वक वितरण किया जा चुका है। जिले की सभी उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को समय पर और पारदर्शी ढंग से राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश सरकार की संवेदनशील नीतियों और जिला प्रशासन की सतत निगरानी के कारण आज सार्वजनिक वितरण प्रणाली केवल राशन वितरण की व्यवस्था नहीं रह गई है, बल्कि गरीब, श्रमिक, किसान एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए खाद्य सुरक्षा की मजबूत आधारशिला बन चुकी है। शासन का उद्देश्य है कि जिले का कोई भी पात्र परिवार खाद्यान्न से वंचित न रहे और प्रत्येक जरूरतमंद तक समय पर खाद्यान्न उपलब्ध हो। वर्षाकाल के दौरान खाद्यान्न वितरण प्रभावित न हो, इसके लिए जिला प्रशासन ने सुरही, निवासखार, अचानकमार, लमनी, कटामी, बिजराकछार, बोईरहा, झिरिया तथा महामाई सहित कुल 09 पहुंचविहीन क्षेत्रों की उचित मूल्य दुकानों में निर्धारित आवंटन के अनुसार चावल, शक्कर और नमक का भंडारण 31 मई 2026 तक पूर्ण कर लिया गया है।

राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मु करेंगी बस्तर पंडुम-26 के विजेताओं का सम्मान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ने जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, परंपरागत जनजातीय नेतृत्व व्यवस्था के प्रतिनिधियों, पद्मश्री सम्मानित विभूतियों तथा जनप्रतिनिधियों का 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आगामी 30 जुलाई को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट करेगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, परगना मांझी, मांझी, चालकी तथा पद्मश्री सम्मानित विभूतियों के सम्मान में विशेष भोज का आयोजन भी किया है। प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति भवन का भ्रमण करेगा तथा नई दिल्ली के प्रमुख राष्ट्रीय स्थलों का अवलोकन भी करेगा। यह अवसर बस्तर की जनजातीय संस्कृति, परंपरागत नेतृत्व व्यवस्था और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को देश के सर्वोच्च संवैधानिक मंच पर मिल रहे सम्मान का ऐतिहासिक प्रतीक होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सरकार जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ उसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राष्ट्रपति भवन में बस्तर के कलाकारों और परंपरागत जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह सम्मान बस्तर की संस्कृति, परंपरा और जनजातीय समाज के प्रति पूरे देश के सम्मान का प्रतीक है। संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि बस्तर पंडुम-2026 ने यह सिद्ध कर दिया है कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति और लोकपरंपराएं राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक स्तर पर भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाने की क्षमता रखती हैं। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव जनजातीय ज्ञान परंपरा, लोकजीवन, पारंपरिक नेतृत्व व्यवस्था और सांस्कृतिक अस्मिता के संरक्षण का सशक्त अभियान बन चुका है। राष्ट्रपति भवन में बस्तर पंडुम के विजेता प्रतिभागियों एवं जनजातीय प्रतिनिधियों का सम्मान पूरे छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक स्वाभिमान का सम्मान है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में संस्कृति विभाग द्वारा जनजातीय विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

राज्यपाल डेका से उच्च शिक्षा मंत्री श्री वर्मा ने की सौजन्य भेंट

रायपुर।राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोकभवन में उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने सौजन्य भेंट की।इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका और उच्च शिक्षा मंत्री श्री वर्मा के बीच प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। राज्यपाल श्री डेका ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार, विद्यार्थियों के कौशल उन्नयन तथा नवाचार को बढ़ावा देने के संबंध में उच्च शिक्षा मंत्री से चर्चा की।

प्ररुप- (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं रिंकु सिंह (पुराना नाम जिसे बदल जाना है) सुपुत्री yenzal singh गांव भेलवाडीह तहसील बलरामपुर जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़ में अपना नाम yenzal singh (पुराना नाम) से बदलकर ANGEL SINGH (नया नाम) रख लिया है

एंजल सिंह

हस्ताक्षर (पुराने नाम से)

पड़ोसी देश पाकिस्तान के विरुद्ध 3 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध शुरू हुआ था। भारत ने 26 जुलाई 1999 को इस पर निर्णायक सैन्य विजय हासिल की। इसी परिप्रेक्ष्य में आज हम कारगिल विजय को याद कर रहे हैं। कारगिल विजय दिवस केवल अतीत के शौर्य का स्मरण करने का अवसर नहीं, यह भविष्य की चुनौतियों को समय रहते पहचानने और उनसे निपटने की प्रेरणा भी देता है। कारगिल में दुश्मन ने पहाड़ों की ऊंचाइयों का सहारा लिया था, जबकि आज वही चुनौती समुद्र की गहराइयों में दिखाई दे रही है। हालांकि इन बदलती परिस्थितियों से भारत पूरी तरह सजग है। भारतीय नौसेना लगातार अपनी समुद्री क्षमता का आधुनिकीकरण कर रही है। स्वदेश निर्मित कलवरी श्रेणी की आधुनिक पनडुब्बियां नौसेना की ताकत बढ़ा रही हैं। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण को बहुत बढ़ावा मिला है। यही वजह है कि वित्त वर्ष 2024-25 में कुल रक्षा उत्पादन 1.5 लाख करोड़ से अधिक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। जहां तक भारत के उत्पाद की बात है तो अब स्वदेशी रूप से ब्रह्मोस मिसाइल, आर्टिलरी गन और रडार जैसे 65 प्रतिशत से ज्यादा महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों का घरेलू स्तर पर निर्माण हो रहा है। *इन्हीं तैयारियों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

अब पाक सरहद पर पुख्ता सुरक्षा तैयारियां

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय

वरिष्ठ स्तंभकार

कारगिल युद्ध में भारत सेना के 527 सैनिक और अधिकारी शहीद हुए और तकरीबन 1500 से अधिक सैनिक बुरी तरह से जख्मी हुए थे। कारगिल युद्ध के बुनियादी कारणों की जांच पड़ताल अंजाम दी गई तो नतीजा सामने आया कि भारत-पाक सरहद पर सैन्य सर्विलांस की काफी कुछ कमी कायम बनी रही थी। युद्ध के तत्पश्चात भारतीय सरहद पर सर्विलांस के लिए बहुत ही शानदार और प्रखर इंतजामात भारतीय सेना द्वारा अंजाम दिए गए हैं। भारतीय सरहद की निरंतर निगरानी रखने के लिए भारतीय वायु सेना के ड्रोन लगातार उड़ानें भरते रहते हैं। सरहद पर मिलिट्री इंटेलिजेंस सेटअप को

पाकिस्तान के विरुद्ध 3 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध का आगाज हुआ था। इसका समापन भारत की निर्णायक सैन्य विजय के साथ 26 जुलाई 1999 को संपन्न हुआ। भारत को आखिरकार कारगिल युद्ध क्यों लड़ना पड़ा? कारगिल युद्ध में भारत सेना के 527 सैनिक और अधिकारी शहीद हुए और तकरीबन 1500 से अधिक सैनिक बुरी तरह से जख्मी हुए थे। कारगिल युद्ध के बुनियादी कारणों की जांच पड़ताल अंजाम दी गई तो नतीजा सामने आया कि भारत-पाक सरहद पर सैन्य सर्विलांस की काफी कुछ कमी कायम बनी रही थी। सौभाग्य से तोशी नामग्याल नाम के एक शैफर्ड द्वारा भारतीय सरहदी क्षेत्र में पाक घुसपैठ की सूचना भारतीय सेना को तत्काल प्रदान की गई। शेफर्ड ताशी नामग्याल का एक याक गुम हो गया था, उसी को ढूंढते हुए उसने सरहद के कुछ सैन्य बंकरों में सैन्य हलचल देखी। ज्ञात हुआ कि बटालीक पहाड़ियों के भारतीय सैनिक बंकरों पर पाक सैनिकों ने आधिपत्य स्थापित कर लिया गया।

कारगिल युद्ध के तत्पश्चात भारतीय सरहद पर सर्विलांस के लिए बहुत ही शानदार और प्रखर इंतजामात भारतीय सेना द्वारा अंजाम दिए गए हैं। भारतीय सरहद की निरंतर निगरानी रखने के लिए भारतीय वायु सेना के ड्रोन लगातार उड़ानें भरते रहते हैं। सरहद पर मिलिट्री इंटेलिजेंस सेटअप को अत्यंत शक्तिशाली बनाया गया। भारत का डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन- डीआरडीओ 1958 में स्थापित किया गया था। उस वक्त डीआरडीओ के पास केवल 10 प्रयोगशालाएं थी। आज के दौर में डीआरडीओ के पास तकरीबन 50 से अधिक प्रयोगशालाएं हैं।

आजकल डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं में तकरीबन 5000 वैज्ञानिक और 25000 तकनीशियन कार्यरत हैं। सर्वविदित है कि प्रारम्भिक काल में भारत को अपनी सैन्य रक्षा उपकरणों और सामग्री के लिए काफी हद तक तत्कालीन सोवियत रूस पर निर्भर रहना पड़ा था। भारत द्वारा बड़े पैमाने पर फ्रांस, इजराइल और अमेरिका से भी सैन्य अस्त्र-शस्त्र आयात किए जाते रहे हैं।

देश ने आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ाए कदम

कारगिल युद्ध के तत्पश्चात विगत दो दशकों से भारत द्वारा अत्यंत शक्तिशाली ढंग से सैन्य अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण में आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ाए गए। डीआरडीओ द्वारा कॉम्बैट ड्रोन का निर्माण करने की दिशा में बड़ा वैज्ञानिक कारनामा अंजाम दिया गया। तेजस एयर जेट लड़ाकू विमानों का भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू किया गया। डीआरडीओ द्वारा हाइपरसोनिक मिसाइल्स का निर्माण संभव हुआ। भारत में बैलिस्टिक मिसाइल्स का भी निर्माण प्रारंभ किया गया। रूस द्वारा प्रदत्त सैन्य तकनीक से भारत में ही ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्माण किया गया। अग्नि मिसाइलों का निर्माण किया गया। आकाश मिसाइलों का निर्माण किया गया। नाग मिसाइलों का निर्माण किया गया। डीआरडीओ का मूल मंत्र है- बलस्य मूलम् विज्ञानम् अर्थात शक्ति की बुनियाद में विज्ञान निहित है। इस वर्ष के बजट में डीआरडीओ को तकरीबन 25000 करोड़ का बजट प्रदान किया गया है। डीआरडीओ द्वारा खोजी गई वैज्ञानिक तकनीकों को इस्तेमाल करके आत्मनिर्भर भारत द्वारा आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों का निर्माण करके युद्ध मैदान के लिए निर्मित किया जाता है। सैन्य अस्त्र शस्त्रों का निर्माण मुख्यतः हिंदुस्तान एरोनोटिक लिमिटेड, बीइएल, एडीए, एल एन्ड टी, टाटा एडवांस और भारत फोर्ज द्वारा किया जाता रहा है।

जापान संग सैन्य सुरक्षा सहयोग

भारत द्वारा अमेरिका के कूटनीतिक दबाव का प्रबल मुकाबला करते हुए मिसाइल डिफेंस प्रणाली एस 400 का निर्माण रूस के तकनीकी सहयोग से भारत में ही किया गया है। समुद्र के भीतर 6000 मीटर नीचे चलने वाली पनडुब्बी अरिहंत को हाल ही में न्यक्लियर अस्त्रों से लैस किया गया है। एएसटीआरए मिसाइल का निर्माण भी भारत में ही किया जा रहा है। हाल ही में जब जापान की प्रधानमंत्री भारत पधारी, भारत और जापान के मध्य एक रक्षा समझौता अंजाम दिया गया। चीन के विस्तारवाद का मुकाबला करने के लिए जापान द्वारा अब पुनः एक सैन्य शक्ति बन जाने का निर्णय किया गया है। अमेरिका के सुरक्षा अंछेला से जापान का विश्वास पूरी तरह उठ चुका है। विश्व युद्ध के बाद जापान ने सैन्य शक्ति के रूप में अपना अस्तित्व समाप्त कर दिया था। किंतु एशिया में उत्पन्न हुए हालात को देखते हुए जापान ने अब फिर से सैनिक शक्ति बन जाने की तरफ अपने कदम बढ़ा दिए हैं। भारत के साथ जापान का सैन्य सुरक्षा सहयोग यकीनन एशिया में एक नया सुरक्षी आयाम स्थापित करेगा। विश्व पटल पर अरब देशों के पश्चात, भारत सबसे अधिक सैन्य अस्त्र शस्त्रों को आयात करने वाला राष्ट्र रहा है।

अस्त्र-शस्त्रों का निर्यात

अब तस्वीर शनैः शनैः बदल रही है, क्योंकि भारत अस्त्र-शस्त्रों के निर्यात वाला देश के तौर पर उभर रहा है। फिलिपींस और दक्षिण कोरिया के साथ ही दक्षिण एशिया के अनेक देश भारतीय अस्त्र-शस्त्रों को आयात करने के लिए तत्पर हैं। अस्त्र शस्त्रों के निर्यात में अब भारत वस्तुतः एशिया के देशों में चीन के विकल्प के तौर पर उभर रहा है। भारतीय सेना विश्व की चौथी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है। भारतीय सेना के पास आजकल विश्व श्रेष्ठतम अस्त्र शस्त्र विद्यमान है। भारतीय सेवा के पास तकरीबन 130 न्यूक्लियर वारहेड्स विद्यमान है। भारत द्वारा यूएई को आर्टिलरी अस्त्र निर्यात किए गए हैं। मॉरीशस और म्यांमार को मिसाइल और एयरक्राफ्ट्स निर्यात किए गए हैं। आने वाले वक्त में भारत में निर्मित सैन्य अस्त्र शस्त्रों का निर्यात बहुत तेजी के साथ वृद्धि करने वाला है। भारत को वस्तुतः दो युद्ध मोर्चे पर तैयार रहना है, पहला युद्ध मोर्चा पाकिस्तान का है और दूसरा है चीन का। भारत द्वारा विश्व के 20 प्रमुख देशों के साथ अस्त्र शस्त्रों की टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर समझौते अंजाम दिए हैं। विगत एक दशक से भारत आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के निर्माण का एक बड़ा देश बन रहा है।

प्राइवेट सेक्टर को भी अनुमति

अपनी सैन्य शक्ति को अत्यधिक शक्तिशाली बनाने की राह में भारत ने मॉरीशस के अगालेगा द्वीप पर एक मिलिट्री बेस तैयार करना प्रारंभ किया है। हिंद -प्रशांत महासागर में भारत को चीन की सैन्य चुनौतियों का सामना करना है। भारत और मालदीव ने एक सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत मालदीव के सिवारू द्वीप पर भारत और मालदीव एक साथ रक्षात्मक तैयारी अंजाम देंगे। भारत में विगत कुछ वर्षों के दौरान अपनी सुरक्षा व्यवस्था को अत्यंत शक्तिशाली बनाने की कोशिश की है। आधुनिकतम सैन्य अस्त्र शास्त्रों के निर्माण क्षेत्र में भारत ने प्राइवेट सेक्टर को भी प्रवेश करने की अनुमति प्रदान की है। पाकिस्तान द्वारा सैन्य शक्ति से कश्मीर को हड़पने के लिए संचालित प्रॉक्सीवार का विगत 38 वर्षों से भारत ने कामयाबी के साथ प्रबल मुकाबला किया है। विश्व के सात देशों में शामिल है भारत, जोकि अपने ही देश में आधुनिकतम फाइटर जेटों का, आधुनिकतम टैंकों का, पनडुब्बियों का, मिसाइलों का निर्माण करने में सक्षम हैं। विगत 4 वर्षों के दौरान ही प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने तकरीबन ढाई लाख करोड़ रुपये भारतीय सेना का आधुनिकरण करने के लिए खर्च किए हैं।

अत्यंत शक्तिशाली बनाया गया है। डीआरडीओ के पास 10 की अपेक्षा आज तकरीबन 50 से अधिक प्रयोगशालाएं हैं।

रोमियो हेलीकॉप्टर और आधुनिक पनडुब्बी रोधी प्रणालियां हिंद महासागर क्षेत्र में हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने में सक्षम हैं।

प्रोजेक्ट-75(आई) के तहत नई पीढ़ी की अत्याधुनिक पनडुब्बियों के निर्माण की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके साथ ही स्वदेशी रक्षा तकनीक और समुद्री निगरानी तंत्र को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कारगिल विजय दिवस केवल अतीत के शौर्य का स्मरण करने का अवसर नहीं है। यह भविष्य की चुनौतियों को समय रहते पहचानने और उनसे निपटने की प्रेरणा भी देता है। कारगिल में दुश्मन ने पहाड़ों की ऊंचाइयों का सहारा लिया था, जबकि आज वही चुनौती समुद्र की गहराइयों में दिखाई दे रही है। यदि भारत सतर्कता, आधुनिक तकनीक और मजबूत रक्षा तैयारियों के साथ आगे बढ़ता रहा, तो समुद्र से उठने वाली हर चुनौती का भी प्रभावी ढंग से सामना कर सकेगा। यही कारगिल विजय दिवस का सबसे बड़ा संदेश है और यही उन अमर शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी।

चीन निर्मित पाक पनडुब्बियां बनी नई सामरिक चुनौती

संघर्ष

रमेश चंद्र

रि. नायब सूबेदार

प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को पूरा देश कारगिल विजय दिवस मनाकर उन वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन करता है, जिन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान का परिचय देते हुए भारत की सीमाओं की रक्षा की। कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना की आर्टलरी व आर्मड कॉर्प्स का जम्मू एरिया में बहुत बड़ा योगदान था। आर्टलरी की बोफोर्स तोपों की मदद से हमारी विजय की गाथा लिखी गई। कारगिल युद्ध केवल एक सैन्य विजय नहीं था, बल्कि उसने देश को यह सीख भी दी कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही घातक साबित हो सकती है। शत्रु की रणनीति समय के साथ बदलती रहती है, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को भी लगातार नए खतरों के अनुरूप मजबूत बनाना आवश्यक है।

आज जब हम कारगिल विजय को याद कर रहे हैं, तब यह समझना भी जरूरी है कि भविष्य की चुनौतियां अब केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं हैं। समुद्र की गहराइयों में भी ऐसे खतरे आकार ले रहे हैं, जिन पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। कारगिल युद्ध और उसके बाद कई प्रत्यक्ष तथा परोक्ष संघर्षों में अपेक्षित सफलता न मिलने के बाद पाकिस्तान ने अपनी सैन्य रणनीति में बदलाव किया है। थल सीमा पर भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति को देखते हुए उसने समुद्री क्षमता बढ़ाने पर जोर देना शुरू किया है। इस दिशा में उसे सबसे बड़ा सहयोग चीन से मिल रहा है। चीन और पाकिस्तान का बढ़ता रक्षा सहयोग अब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के लिए नई सामरिक चुनौती बनकर सामने आ रहा है। वर्ष 2015 में चीन और पाकिस्तान के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत चीन पाकिस्तान को आठ आधुनिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां उपलब्ध करा रहा है। ये चीन की युआन श्रेणी की उन्नत पनडुब्बियों का निर्यात संस्करण हैं, जिन्हें पाकिस्तान ने 'हांगोर श्रेणी' नाम दिया है। अगले कुछ वर्षों में इन सभी के पाकिस्तान नौसेना में शामिल होने की संभावना है, जिससे उसकी समुद्री क्षमता पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत हो जाएगी। इन पनडुब्बियों की सबसे बड़ी विशेषता एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) प्रणाली है। सामान्य डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों को कुछ दिनों बाद बैटरियां चार्ज करने के लिए समुद्र की सतह पर आना पड़ता है। ऐसा करते समय उनके रडार या समुद्री गश्ती विमानों की नजर में आने की संभावना बढ़ जाती है। इसके विपरीत, एआईपी तकनीक से लैस पनडुब्बियां लगभग पंद्रह से बीस दिनों तक बिना सतह पर आए समुद्र की गहराई में रह सकती हैं। इससे उनका पता लगाना और उन्हें निशाना बनाना कहीं अधिक कठिन हो जाता है। अरब सागर जैसे विशाल समुद्री क्षेत्र में ऐसी पनडुब्बियां किसी भी नौसेना के लिए बड़ी चुनौती बन सकती हैं। यह खतरा केवल सैन्य दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि भारत की आर्थिक सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। भारत का अधिकांश विदेशी व्यापार और ऊर्जा आयात समुद्री मार्गों के माध्यम से होता है। यदि किसी संघर्ष की स्थिति में पाकिस्तान इन पनडुब्बियों की मदद से व्यापारिक जहाजों, तेल आपूर्ति या महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को बाधित करने का प्रयास करता है, तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। भविष्य में यदि इनसे लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों का संचालन होता है, तो भारत के तटीय शहरों, नौसैनिक अड्डों और सामरिक प्रतिष्ठानों के सामने नई चुनौती खड़ी हो सकती है। इसके साथ ही हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती मौजूदगी और पाकिस्तान के साथ उसका गहरा होता सैन्य सहयोग भारत के लिए दोहरे दबाव की स्थिति पैदा करता है। चीन लंबे समय से हिंद महासागर में अपने प्रभाव का विस्तार करने की रणनीति पर काम कर रहा है और पाकिस्तान इसमें उसका महत्वपूर्ण साझेदार बनता जा रहा है। हालांकि इन बदलती परिस्थितियों से भारत पूरी तरह सजग है। भारतीय नौसेना लगातार अपनी समुद्री क्षमता का आधुनिकीकरण कर रही है। स्वदेश निर्मित कलवरी श्रेणी की आधुनिक पनडुब्बियां नौसेना की ताकत बढ़ा रही हैं। इनमें स्वदेशी एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन प्रणाली जोड़ने की दिशा में भी कार्य चल रहा है। इसके अलावा पी-8आई पोसाइडन समुद्री टोही विमान, एमएच-60आर

चीन और पाकिस्तान का बढ़ता रक्षा सहयोग अब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के लिए नई सामरिक चुनौती बनकर सामने आ रहा है। वर्ष 2015 में चीन और पाक के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत चीन पाकिस्तान को आठ आधुनिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां उपलब्ध करा रहा है।

रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बन रहे हम

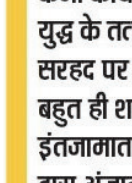

मेक इन इंडिया

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

भारत में रक्षा उत्पादन का भारतीयकरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी और नीतिगत सुधार 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत तेजी से बढ़ रहा है। इसकी सफलता का अंदाजा इस साल के कुल रक्षा उत्पादन के आंकड़ों से लगाया जा सकता है। इसके अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में कुल रक्षा उत्पादन 1.54 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब तेईस हजार करोड़ ज्यादा है। वित्त वर्ष यानी 2023-24 में यह आंकड़ा एक लाख 27 हजार 434 करोड़ था। अगर शुरुआती वर्ष यानी 2014-15 के आंकड़ों से इसकी तुलना करें तो यह वृद्धि करीब 174 प्रतिशत ज्यादा है। तब भारत ने 46429 करोड़ का उत्पादन किया था।

रक्षा उत्पादन की इस उपलब्धि में सार्वजनिक क्षेत्र ही नहीं, निजी कॉरपोरेट की भी हिस्सेदारी है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी करीब 23 प्रतिशत है, जो लगातार इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि अभी भी इस क्षेत्र में वर्चस्व सार्वजनिक क्षेत्र की ही कंपनियों का है। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण को बहुत बढ़ावा मिला है। यही वजह है कि वित्त वर्ष 2024-25 में कुल रक्षा उत्पादन 1.5 लाख करोड़ से अधिक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। रक्षा उत्पादन की निगरानी और नीतिगत सहयोग के लिए मोदी सरकार ने अलग से रक्षा उत्पादन विभाग बनाया है, जिसके अधीन हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएल सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख रक्षा उत्पादक कंपनी के रूप में उभरी है। इस क्षेत्र में देश की अग्रणी निजी कंपनियां और कारोबारी समूहों मसलन, टाटा, एलएंडटी और कल्याणी आदि अब मिसाइल, तोप और बख्तरबंद वाहन निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। नीतिगत बदलावों के चलते जहां बड़े कारपोरेट हाउसों के साथ ही छोटे कारपोरेट हाउसों और स्टार्टअप्स को भी मौका मिला है। रक्षा उत्पादन विभाग और वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सोलह हजार लघु और मध्यम वर्ग की कंपनियां भी स्वदेशी रक्षा उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके साथ ही स्वदेशी रक्षा उत्पादन के लिए 462 कंपनियों को 788 रक्षा औद्योगिक लाइसेंस जारी किए गए हैं। रक्षा उत्पादन में नीतिगत सुधार और निजी-सार्वजनिक क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी का ही असर है कि आज देश, अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया समेत दुनिया के सौ से ज्यादा देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है। जहां तक रक्षा उत्पादन में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की बात है, देश के कुल रक्षा उत्पादन में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का कुल योगदान 77 प्रतिशत है, जबकि बाकी निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी साल-दर-साल लगातार बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कुल रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भागीदारी जहां 21 प्रतिशत थी, जिसमें दो फीसद का इजाफा हो चुका है। यह भारत के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में निजी क्षेत्र की तेजी से बढती भूमिका को स्पष्ट करता है। निर्यात के क्षेत्र में भी भारत की प्रगति उल्लेखनीय हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 के निर्यात की तुलना में बीते वित्त वर्ष में 2,539 करोड़ रुपये यानी करीब 12.04 फीसद की बढ़त दर्ज की गई है। सरकार ने वर्ष 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये से कदम बढ़ाया है। सरकार ने रक्षा उत्पादन को निजी क्षेत्र के लिए खोलने की दिशा में विदेशी निवेश को 74 प्रतिशत तक कर दिया है। मोदी सरकार का लक्ष्य 2030 तक रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ तक पहुंचाने का है।

जहां तक भारत के उत्पाद की बात है तो अब देश स्वदेशी रूप से ब्रह्मोस मिसाइल, आर्टिलरी गन और रडार जैसे 65 प्रतिशत से ज्यादा महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों का घरेलू स्तर पर निर्माण हो रहा है। जिस तरह निजी उद्योग को मौका दिया है, उससे आने वाले दिनों में निजी क्षेत्रों की भागीदारी और ज्यादा बढ़ेगी, रक्षा उपकरण और भी ज्यादा संख्या में स्वदेशी होंगे।

रक्षा उत्पादन की इस उपलब्धि में सार्वजनिक क्षेत्र ही नहीं, निजी कॉरपोरेट की भी हिस्सेदारी है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी करीब 23 प्रतिशत है, जो लगातार इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि अभी भी इस क्षेत्र में वर्चस्व सार्वजनिक क्षेत्र की ही कंपनियों का है।

दर्द, गर्व और राष्ट्र के सम्मान का दिन

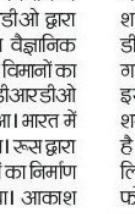

कारगिल विजय दिवस

डा. विवेक बाल्यान

स्वतंत्र पत्रकार

आज का दिन भारतीय इतिहास में केवल एक तारीख नहीं, बल्कि शौर्य, बलिदान और राष्ट्र-गौरव प्रतीक है। वर्ष 1999 में भारत ने 26 जुलाई को ही कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी और दुनिया को यह संदेश दिया था कि भारत अपनी सीमाओं, अपने सम्मान और अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए पूरी तरह से सक्षम है। कारगिल की बर्फीली चोटियों पर लड़ी गई यह लड़ाई साधारण नहीं थी। यह युद्ध ऊंचाई पर कठोर मौसम में लड़ा गया, जहां हर कदम पर मौत का खतरा था। इसके बाद भी भारतीय सेना ने अदम्य साहस, अनुशासन और देशभक्ति के बल पर विजय पताका फहराई। शौर्य बलिदान की इस गाथा में हरियाणा की भूमि पर जन्में 75 वीर सपूतों ने भी अपने प्राण न्यौछावर किए। ये केवल एक संख्या नहीं हैं, बल्कि वे नाम हैं जिनके पीछे इन सपूतों के परिवारों का दर्द, गांवों का गर्व और राष्ट्र का सम्मान छिपा हुआ है।

हरि की धरा हरियाणा की मिट्टी को हमेशा से वीरता, परिश्रम और देशसेवा की भूमि माना गया है। यहां के किसान जिस तरह खेतों में पसीना बहाते हैं, उसी तरह उनके बच्चे सीमा पर खड़े होकर देश की रक्षा करते हैं। हरियाणा का सामाजिक और सांस्कृतिक चरित्र ही ऐसा रहा है कि यहां सैनिक बनना केवल नौकरी नहीं, बल्कि सम्मान और परंपरा का विषय रहा है। जब कारगिल युद्ध छिड़ा, तब हरियाणा के अनेक जवान अग्रिम पंक्ति में दुश्मन के सामने खड़े थे। उन्होंने न केवल युद्ध लड़ा, बल्कि उसमें सर्वोच्च बलिदान भी दिया। कारगिल के युद्ध में शहीद हुए हरियाणा के 75 जवान इस राज्य की सैन्य परंपरा को अमर कर गए। उनके बलिदान ने यह साबित कर दिया कि हरियाणा की वीरता केवल कथाओं में नहीं, बल्कि वास्तविक युद्धभूमि में भी उतनी ही प्रखर है। कारगिल युद्ध की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह युद्ध अत्यंत कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में लड़ा गया। हिमालय की ऊंची-ऊंची चोटियां, भीषण ठंड, दुर्गम चढ़ाई, सीमित ऑक्सीजन और दुश्मन की पहले से बनाई गई मजबूत स्थिति- इन सबके बीच भारतीय सैनिकों ने असंभव लगने वाली इस लड़ाई को जीता। विजय के इस अभियान में हरियाणा के शहीदों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही। वे अपने साहस और कर्तव्यनिष्ठा से इस राष्ट्रीय विजय का हिस्सा बने। कारगिल विजय दिवस मनाने का अर्थ केवल एक युद्ध में भारत की जीत की याद ताजा करना नहीं है। यह दिन हमें यह भी स्मरण कराता है कि हमारे सैनिक ने किस कीमत पर हमें सुरक्षित जीवन प्रदान किया। जब देश के नागरिक अपने घरों में चैन से रहते हैं, तब सीमा पर जवान हिमपात, गोलियों और दुश्मन की घेराबंदी से जूझ रहे होते हैं। इस वास्तविकता को हम अक्सर तभी महसूस करते हैं जब कोई युद्ध या शहादत की बड़ी घटना सामने आती है। कारगिल युद्ध ने पूरे देश को यह समझाया कि सैनिकों का बलिदान सिर्फ समाचार नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का हिस्सा है। हरियाणा के शहीदों ने इस भावना को और भी गहराई दी। उनकी शहादत केवल सैन्य इतिहास में दर्ज नहीं, बल्कि हरियाणा की लोक-स्मृति और जन-चेतना में हमेशा जीवित रहेगी। कारगिल विजय दिवस पर जब हम तिरंगा फहराते हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि उस झंडे की ऊंचाई के पीछे कितने परिवारों की वेदना छिपी है। हरियाणा के शहीदों ने इस तिरंगे की ऊंचाई के लिए अपना जीवन दिया। उनका रक्त इस ध्वज की लाली में शामिल है। उनका साहस इस राष्ट्र की आत्मा में मौजूद है। उनका नाम लेकर जब हम श्रद्धांजलि देते हैं, तब हम केवल अतीत को नहीं देखते, बल्कि एक ऐसे भारत की कल्पना करते हैं जो अधिक कृतज्ञ, अधिक मजबूत और अधिक एकजुट हो।आज की पीढ़ी के लिए कारगिल विजय दिवस का संदेश बहुत स्पष्ट है। यह दिन बताता है कि स्वतंत्रता की रक्षा केवल नारे से नहीं होती, उसके लिए बलिदान चाहिए। कारगिल विजय दिवस हरियाणा के लिए विशेष गर्व का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हरियाणा की धरती ने देश को ऐसे सपूत दिए हैं, जिन्होंने कर्तव्य को जीवन से बड़ा माना।

यह दिन हमें याद दिलाता है कि हरियाणा की धरती ने देश को ऐसे सपूत दिए हैं, जिन्होंने कर्तव्य को जीवन से बड़ा माना। इन 75 शहीदों की शहादत केवल एक राज्य की नहीं, बल्कि पूरे भारत की धरोहर है। उनका बलिदान हमें सिखाता है कि देश के लिए दिया गया जीवन कभी व्यर्थ नहीं जाता।

इन 75 शहीदों की शहादत केवल एक राज्य की नहीं, पूरे भारत की धरोहर है। उनका बलिदान हमें सिखाता है कि देश के लिए दिया गया जीवन कभी व्यर्थ नहीं जाता। वे आज भले हमारे बीच न हों, लेकिन उनकी बहादुरी, उनकी निष्ठा और उनका त्याग हमेशा जीवित रहेगा। कारगिल विजय दिवस पर हरियाणा के इन वीर शहीदों को कोटि-कोटि नमन।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं राजुराम एक्का (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री / पत्नी जगसाय भगत, शहर /गाँव छातासराई काडरो, तहसील-पत्थलगांव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम राजुराम एक्का (पुराना नाम) से बदल कर राजु भगत (नया नाम) रख लिया है।

राजू एक्का

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती किरण गोयल आ०/पति रामहरे गोयल जाति अग्रवाल, निवासी ब्रम्ह रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-बाबूपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/251 रकबा 1320 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 05/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 21/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रामदेव साहू आ०/पति स्व० पूरन साहू जाति तेली, निवासी दरीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला दरीपारा, शीट नम्बर-10 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4048/2. 4080/3 रकबा 0.04, 0.04 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 05/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 21/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

'मन की बात' में पीएम मोदी ने देशवासियों से किया आह्वान

स्वतंत्रता दिवस स्पीच के लिए मांगे सुझाव

हर घर तिरंगा अभियान को आगे बढ़ाएं उत्साह से अभियान को बेमिसाल बनाएं

रेडियो कार्यक्रम के 136वें एपिसोड को प्रधानमंत्री ने संबोधित किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस के करीब आते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण के लिए देशवासियों को विचार और सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने यह भी अपील की कि देशवासी इस साल भी 'हर घर तिरंगा' अभियान की भावना को बेमिसाल उत्साह और गर्व के साथ आगे बढ़ाएं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रविवार को रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें एपिसोड को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुछ ही सप्ताह बाद हम अपनी स्वतंत्रता का महापर्व भी मनाएंगे।

15 अगस्त हर भारतीय के लिए गर्व का दिन है। ये उन असंख्य वीरों को याद करने का दिन है, जिन्होंने 'भारत माता' की स्वतंत्रता के लिए अपना सब कुछ समर्पित कर दिया। उनके त्याग और तपस्या की वजह से आज हमारे हाथ में तिरंगा है। इस तिरंगे में हमारे संविधान के आदर्श हैं।

सुझाव भी आमंत्रित किया

अपने घर पर पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराएं

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अभियान ने पूरे देश को एक अद्भुत भावना से जोड़ा है। हर घर-हर गली में तिरंगे का उत्सव दिखाई देता है। इस साल भी हमें 'हर घर तिरंगा' अभियान को पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ाना है। अपने घर पर पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराना है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि हर वर्ष 15 अगस्त से पहले आप मुझे बहुत से विचार और सुझाव भेजते हैं। इस वर्ष भी आप अपने विचार 'माईगव' पर जरूर साझा कीजिए। मुझे आपके सुझावों का इंतजार है।

डॉ. कलाम को याद किया

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को याद किया। उन्होंने कहा कि 27 जुलाई को, भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि है। डॉ. कलाम के व्यक्तित्व में कई प्रेरक रूप थे, लेकिन, उनके हृदय के सबसे करीब एक शिक्षक की भूमिका थी। वे बच्चों और युवाओं को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते थे। उन्होंने कहा कि संयोग से, इसी हफ्ते हम 'गुरु पूर्णिमा' का पावन पर्व मनाएंगे। हमारे माता-पिता हमारे पहले गुरु होते हैं। स्कूल के शिक्षक हमें अक्षर ज्ञान देते हैं। मैं देश के सभी शिक्षकों और गुरुजनों को श्रद्धापूर्वक प्रणाम करता हूं।

सीतामढ़ी 'वेस्ट टू वेल्थ' पहल को भी सराहा

प्रधानमंत्री ने बिहार के सीतामढ़ी जिले की एक अनूठी पहल की देशभर में सराहना की। उन्होंने प्लास्टिक प्रदूषण जैसी गंभीर वैश्विक पर्यावरणीय चुनौती का जिक्र करते हुए बताया कि सीतामढ़ी ने इसका एक आसान और प्रभावी समाधान पेश किया है।प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वेस्ट टू वेल्थ' पहल के तहत जिले में सिंगल-यूज प्लास्टिक कचरे को रिसाइकिल कर मजबूत, टिकाऊ, आरामदायक और पर्यावरण अनुकूल बेंच तैयार की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि एक बेंच बनाने में करीब 40 किलोग्राम सिंगल-यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल होता है। ये बेंच आकर्षक होने के साथ-साथ लंबे समय तक उपयोग में रहने योग्य हैं और इन्हें सरकारी स्कूलों, पार्कों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगाया जा रहा है।

'रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल' का सिद्धांत अपनाया

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पहल केवल लोगों को बैठने की सुविधा ही नहीं दे रही बल्कि छात्रों और आम नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ा रही है। बच्चे सीख रहे हैं कि जिस प्लास्टिक को वे पहले बेकार समझकर फेंक देते थे, वही सही तकनीक और बेहतर प्रबंधन के जरिए समाज के लिए उपयोगी संसाधन बन सकता है। उन्होंने कहा कि इससे 'रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल' का सिद्धांत अब केवल नारा नहीं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनता जा रहा है।

कश्मीर की पारंपरिक 'वगू' चटाई का किया जिक्र

हुसैन और तंजीला की सराहना की

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में कश्मीर की पारंपरिक चटाई वगू पर चर्चा की। इसके साथ ही इस चटाई बनाने की परंपरा को पुनर्जीवित करने के लिए श्रीनगर के गुलाम हुसैन और उनकी बेटी की तारीफ की। जब हुनर भी हो और कुछ करने का जज्बा भी हो, तो हर राह आसान हो जाती है। कश्मीर की पारंपरिक चटाई 'वगू' को लेकर आज जो प्रयास हो रहे हैं, उसमें इसी की झलक मिलती है। इसे सरकंडे और धान के पुआल, घास से से तैयार किया जाता है। इस चटाई को बनाने की परंपरा बरसों पुरानी है। इसके लिए कश्मीर के दलदली इलाकों की घास और सरकंडे की कटाई की जाती है। धूप में सुखाने के बाद छंटाई होती है और फिर शुरू होता है हाथों से बुनाई का काम। दो कारीगरों को एक चटाई बनाने में करीब 4 दिन लगते हैं। यह चटाई अनूठी भी है और इकोफ्रेंडली भी है। एक बड़ी खासियत यह है कि आपको गर्मियों में इससे ठंडक और सर्दियों में गर्माहट मिलेगी।

हुसैन का एक साधारण परिवार से ताल्लुकात रहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले वगू चटाई हर घर में दिखती थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसका उपयोग कम होने लगा था। श्रीनगर के हुसैन और तंजीला ने एक संकल्प लिया। दोनों 'वगू' क्राफ्ट की परंपरा को एक नया जीवन देने में जुट गए।हुसैन बहुत ही साधारण परिवार से आते हैं, उनको इस काम में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा। लेकिन वगु के सरंक्षण का उनका संकल्प अडिग था।

सिद्धारमैया नहीं लड़ेंगे 2026 का विधानसभा चुनाव

आज की राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो गई, चुनाव लड़ने के लिए भी पैसा देना पड़ रहा

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के सीनियर नेता सिद्धारमैया ने चुनावी राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान किया है। रविवार को एक्स पर पोस्ट करके उन्होंने इसे लेकर अपनी नाराजगी भी जताई। सिद्धारमैया ने कहा कि आज राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है। इसलिए मैंने फैसला लिया कि मैं साल 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा। हालांकि, मैं राजनीति में सक्रिय रहूंगा और जनता के सुख-दुख की आवाज बनकर उनके लिए काम करता रहूंगा। सिद्धारमैया ने कहा कि वरुणा विधानसभा क्षेत्र के लोग एक बार फिर मुझसे चुनाव लड़ने का आग्रह कर रहे हैं, लेकिन मैंने तय कर लिया है कि अब मैं भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ूंगा।

पहले जब मैं चुनाव लड़ता था, तब क्षेत्र की जनता ही हमारे लिए धन जुटाती थी और हमें जीत दिलाती थी। लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। मेरी उम्र अब 79 वर्ष है। हमारी सरकार का कार्यकाल अभी करीब डेढ़ साल और बाकी है। दूसरी ओर, कर्नाटक में बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार पर अंतिम फैसला लेने के लिए कांग्रेस आलाकमान पूरी तरह तैयार है और लगभग 20 मंत्री पदों के लिए कांग्रेस के 60 से अधिक विधायक होड़ में हैं।

सिद्धारमैया ने उम्र का दिया हवाला

कांग्रेस नेता ने कहा कि साल 2028 तक मेरी उम्र 82 वर्ष हो जाएगी और तब मेरे राजनीतिक जीवन के 50 वर्ष पूरे हो जाएंगे। अब मेरा स्वास्थ्य पहले जैसा नहीं रहा और न ही पहले जैसी ऊर्जा के साथ काम करना संभव है। उन्होंने कहा कि मैंने 1978 में तालुक बोर्ड के सदस्य के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी। इन पांच दशकों में मैंने जीत और हार दोनों देखी हैं। लेकिन मुझे इस बात का संतोष है कि मैंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और न ही अपनी अंतरात्मा के खिलाफ कोई काम किया।

ईमानदार राजनीति के लिए कोई जगह नहीं

सिद्धारमैया ने कहा कि आज हालात ऐसे हो गए हैं कि चुनाव लड़ने के लिए नेताओं को जनता को पैसा देना पड़ता है। राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है और ईमानदार राजनीति के लिए कोई जगह नहीं बची है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए मैंने भविष्य में चुनाव न लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच दशकों से राज्य की जनता ने मुझे अपना मानकर स्नेह और मार्गदर्शन दिया है। मैं इस कर्ज को कभी नहीं चुका सकता। इसलिए मेरा बाकी जीवन भी जनता की सेवा और उनके हितों के लिए समर्पित रहेगा। पोस्ट के अनुसार सिद्धारमैया ने शनिवार को मंड्या जिले पेट में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में ये बातें कही थीं।

न्यायालय तहसीलदार लटोरी जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०ब/121 वर्ष

ग्राम सोनवाही प०ह०न० 19

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनबोध चेरवा आ० कारिराम जाति चेरवा निवासी ग्राम सोनवाही प०ह०नं० 19. रा०नि०म० पिलखा तहसील लटोरी जिला सूरजपुर। छ.ग. द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / पुत्री स्व ईशांत कुमार का में हुई है, को आदेशित करने करणसाला वयायालय में विचाराधीन है।जन्म / मृत्यु दिनांक 04/03/2025 को ग्राम सोनवाही अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत सोनवाही आवेदन पेश किया है। है जिसके संबंध में प्रकरण इस अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 09/07/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायायल में पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 22/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया

कार्यपालिक दंडाधिकारी

लटोरी जिला सूरजपुर (छ०ग०)

चोपन में अखिल भारतीय आदिवासी महासभा का कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

चोपन/सोनभद्र। जल, जंगल, जमीन और आदिवासी संस्कृति की रक्षा को लेकर भाकपा के जनसंगठन अखिल भारतीय आदिवासी महासभा की ओर से रविवार को चोपन बैरियर स्थित एक मैरिज हॉल में एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता आर. के. शर्मा ने की। सम्मेलन में सोनभद्र, मिजार्पुर, चंदौली तथा मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों से आए पदाधिकारियों, कार्यकताओं और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान नवगठित संगठनात्मक टीम का स्वागत करते हुए संगठन को गांव-गांव तक मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया।

'माई भारत' के स्वयंसेवकों ने अनुभव साझा किया

प्रधानमंत्री ने 'विकसित वाइब्रेंट विलेज' में की प्रतिभागियों से बात

विकसित भारत की रोशनी देश के दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंच रही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम 2026 के प्रतिभागियों से बातचीत की। इस दौरान 'माई भारत' के स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। एक 'माई भारत' स्वयंसेवक ने कहा कि इस कार्यक्रम ने उन्हें देश के सीमावर्ती गांवों का दौरा करने का अवसर दिया।

उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसे गांवों को देखने का मौका मिला, जहां जाने की उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। एक अन्य 'माई भारत' स्वयंसेवक ने कहा कि जब उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली, तब उन्हें महसूस हुआ कि विकसित भारत की रोशनी देश के दूरदराज के इलाकों तक पहुंच रही है। स्कूलों में भी विकसित भारत की सोच दिखाई दी।

जेड से एक साथ जुड़े

इस खास कार्यक्रम में देश के 245 जिलों के 5000 से अधिक छात्र और युवा प्रतिनिधि एक साथ जुड़े। इस संवाद का मुख्य उद्देश्य भारत के सीमावर्ती गांवों को देश का अंतिम गांव न मानकर उन्हें पहला गांव स्वीकारना और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं को सक्रिय भागीदार बनाना है।

चांगो पहुंचकर पनिकिता ने कहा- सड़कें देखकर हैरान हूं

प्रतिभागी निकिता ने बताया कि चांगो जाने से पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर देखे गए वीडियो के आधार पर यह मान लिया था कि वहां न मोबाइल नेटवर्क होगा और न ही बिजली की सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि जब वह वहां पहुंचीं और ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों के बीच बनी मजबूत सड़कों को देखा तो हैरान रह गईं।

दादर-नागर हवेली के दिव्यांश ने जताया आभार

कार्यक्रम के दौरान दादर-नागर हवेली के युवा प्रतिभागी दिव्यांश जोशी ने प्रधानमंत्री से कहा कि मेरे जैसे आम युवाओं को देश के दूरदराज और सीमावर्ती गांवों में जाने और वहां रहने का मौका दिया। इस अद्भुत और सीख देने वाले अनुभव के लिए मैं आपका और पूरी टीम का दिल से धन्यवाद करता हूं।

ग्रामीणों ने कहा- सड़क, नलजल और नेटवर्क की सुविधा मिली

कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने कहा कि अब क्षेत्र में चौबीसों घंटे बिजली और मोबाइल नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही आयुष्मान भारत योजना के कारण स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उनका भरोसा बढ़ा है और उनका जीवन पहले की तुलना में अधिक आसान हुआ है। कई सुविधाएं अब ग्रामों में ही मिल रही हैं।

न्यायालय तहसीलदार भटगांव जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०/अ-6/2025-26

ईश्तहार

प्रति/रमेशर/फुलमेत

आम जनता ग्राम धरतीपारा को सूचित किया जाता है। आवेदक रमेशवर पिता गोपाल उम 65 वर्ष जाति पनिका निवासी ग्राम धरतीपारा तहसील भटगांव थाना विश्रामपुर जिला सूरजपुर छ०ग० द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया है कि ग्राम धरतीपारा तहसील भटगांव स्थित भूमि खसरा नं0 76/2, 79, 81, 83 रकबा 0.15, 0.12, 0.12, 0.13 हे० योग रकबा 0.52 हे० भूगि है उक्त भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में सहखातेदार के रूप में फुलमेत पिता गोपाल जाति पनिका त्रुटिवश अंकित हो गया है।जबकि आवेदक के परिवार से उक्त दर्शित भूमि से कोई संबंध नहीं है। आवेदक द्वारा फुलमेत पिता गोपाल का नाम राजस्व अभिलेख से विलोपित करने का निवेदन किया गया है।उक्त भूमि के नामान्तरण के संबंध में जिरा किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/08/2026 को मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है।नियत तिथि के पश्चात्प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 22/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार

भटगांव जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मेलसाय आ० बिरबल जाति गोड निवासी ग्राम बकीरमा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम बकीरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 22, 71, 104, 298/2, 301, 302, 303, 304, 345, 425, 427,428, 541, 684/15 रकबा 0.166, 0.125, 0.255, 0.077, 0.206, 0.809, 0.040, 0.364, 0.081, 0.138, 0.020, 0.081, 0.595, 0.283 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो से मृतक खातेदार बीरबल का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 05.49.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 21/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार

अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती उर्मिला अग्रवाल आ०/पति मुकेश अग्रवाल जाति निवासी ब्रम्ह रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-बाबूपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/256, 3467/4866/257 रकबा 220, 1100 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 05/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 20/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका पवन कुमार अग्रवाल आ०/पति ज्ञानी अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी ग्राम तुरियाबीरा, तहसील लुण्ड्रा, जिला सरगुजा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला बाबूपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/302 रकबा 1320 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 05/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 21/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका आकाश गोयल आ०/पति रामहरे गोयल जाति अग्रवाल, निवासी ब्रम्ह रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला बाबूपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/238 रकबा 1320 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 05/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 21/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती संगीता शुक्ला आ०/पति मधुसुदन प्रसाद शुक्ला जाति ब्राम्हण, निवासी शीतला वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला बाबूपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/197 रकबा 1050 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 05/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 21/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती निशा गोयल आ०/पति दीपक गोयल जाति निवासी खरसिया रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-बाबूपारा, शीट नम्बर 9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/279 रकबा 1320 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 05/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 20/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा०प्र०क०ब/121 वर्ष

ग्राम - भैयाथान प०ह०न० 13

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रंजीत प्रजापति पिता तिलक प्रजापति जाति कुम्हार निवासी ग्राम भैयाथान प०ह०न० 13 रा०नि०म० भैयाथान तह ?सील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्री दिव्या प्रजापति आ.रंजीत प्रजापति का जन्म दिनाँक 06/07/2008 को ग्राम भैयाथान में हुई है अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है आवेदक अपने पुत्री दिव्या प्रजापति का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत भैयाथान को आदेशित करने आवेदन पेश किया है जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनोंक 03/08/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते है नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार किया जावेगा । आज दिनाँक 17/07/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया

कार्यपालिक दंडाधिकारी

भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

सुपर मॉडल की मां ने 62 साल की उम्र में कर ली सगाई, चौंक गए फैंस

सुपरमॉडल जीजी हदीदी और बेला हदीदी की मां योलान्डा किसी जमाने में भी खुद भी मॉडल रही थीं। हाल ही में उनकी सगाई की खबर सामने आई है। 62 साल की उम्र में वह तीसरी बार अपना घर बसाने वाली हैं।

योलान्डा हदीद की सगाई की खबर ने फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स को चौंका दिया। दरअसल, उन्होंने अपने नए रिश्ते को दुनिया से अब तक छिपाकर रखा था। खबर है कि उन्होंने बिजनेसमैन रैंडी केंड्रिक से सगाई की है। बता दें इससे पहले उन्होंने जोसेफ जिंगोली से सगाई की थी, लेकिन यह कुछ समय बाद टूट गई थी।

टीएमजेड के मुताबिक रैंडी केंड्रिक ने इस सप्ताह के शुरुआत में योलान्डा को प्रपोज किया। योलान्डा ने भी उनका प्रपोजल स्वीकार कर लिया। इस सगाई की खबर ने अब फैंस, सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। दरअसल, अब तक रैंडी केंड्रिक और योलान्डा की डेटिंग को लेकर कोई जानकारी नहीं थी।

योलान्डा के मंगेतर रैंडी केंड्रिक रियल एस्टेट से जुड़े बिजनेसमैन हैं। वह कई कंपनियों के फाउंडर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर हैं। योलान्डा और रैंडी को एक-दो बार ही पब्लिक प्लेस पर साथ देखा गया था लेकिन इनके रिलेशनशिप में होने की अटकलें कभी नहीं लगीं। यही कारण है कि इनकी सगाई की कभी सभी के लिए सरप्राइज की तरह थी। रैंडी केंड्रिक, योलान्डा हदीद के चौथे पार्टनर हैं। इससे पहले उन्होंने बिजनेसमैन जोसेफ जिंगोली से सगाई की थी जो ज्यादा दिन नहीं चली, इनकी राहें जल्द ही जुदा हो गईं।

टॉलीवुड

चौंका रहा 'धर्मन' में रजनीकांत का स्टाइलिश लुक, निर्माताओं ने शेयर किया खास वीडियो

रजनीकांत की फिल्म 'धर्मन' के निर्माताओं ने फिल्म के निर्माण का पहला मेकिंग वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में दिखाया गया कि कैसे रजनीकांत के लुक को तैयार किया गया है। सुपरस्टार रजनीकांत की आने वाली फिल्म 'धमन' का लकर दशका म भारा उत्साह ह। फिल्म क निर्माताओं ने एक बिहाइंड-द-सीन वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में रजनीकांत का लुक कैसे तैयार किया गया है, यह दिखाया गया है।

मेकिंग वीडियो में रजनीकांत और कमल हासन एक साथ बातचीत करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में रजनीकांत के चश्मे, अंगूठी, घड़ी और चैन के अलावा बाकी एक्सेसरीज को दिखाया गया है, जिसे रजनीकांत ने फिल्म में पहना है। इसके साथ ही इस वीडियो में निर्देशक अश्वथ मरिमुथु रजनीकांत को उनका पोज समझाते दिख रहे हैं। फिल्म 'धर्मन' के पोस्टर में रजनीकांत अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में हाथ में सर्जिकल स्केलपेल थामे नजर आ रहे हैं और उनका पैर एक बदमाश की लाश पर है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह फिल्म में एक डॉक्टर की भूमिका में होंगे। इस फिल्म के निर्देशक को लेकर काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले। सबसे पहले इस फिल्म को सुंदर सी निर्देशित करने वाले थे, लेकिन उन्होंने यह प्रोजेक्ट छोड़ दिया। इसके बाद सिबी चक्रवर्ती को चुना गया, पर उन्होंने भी फिल्म से दूरी बना ली। आखिरकार, अब अश्वथ मरिमुथु को इस फिल्म की कमान सौंपी गई है। फिल्म 'धर्मन' की मुख्य टीम में मुख्य अभिनेता- रजनीकांत,निर्माता- कमल हासन और आर. महेंद्रन (सह-निर्माता), संगीत- अनिरुद्ध रविचंदर, कैमरा- निकेत बोम्मी और एडिटिंग- प्रदीप ई. राघव की हैं।

भोजपुरी

'वसंतसेना' के किरदार में अप्सरा सी खूबसूरत लगीं मोनालिसा

भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ दिलकश फोटोज शेयर की हैं। यह तस्वीरें उनके एक किरदार की हैं, जिसे वे नए शो में निभा रही हैं। मो ना लि सा अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर खूब सुर्खियां बटोरती हैं। एक बार फिर वे अपने लुक को लेकर छा गई हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज शेयर किए हैं, जिनमें वे किसी अप्सरा सी खूबसूरत लग रही हैं। मोनालिसा की ये फोटोज उनके नए किरदार की हैं, जिसे वे एक शो में निभाती दिखेंगी। फिलहाल, वे शो की शूटिंग कर रही हैं। मोनालिसा इस शो में वसंतसेना का किरदार निभाती नजर आएंगी। साझा की गई तस्वीरों में वे बला की खूबसूरत लग रही हैं, मानो स्वर्ग से कोई अप्सरा उतर आई हो। मोनालिसा ने तस्वीरों के साथ लिखा है, 'सुंदर सुंदर। वसंतसेना'। बता दें कि अभिनेत्री गुजरात के उमरगाम में फिलहाल इस शो की शूटिंग कर रही हैं। वसंतसेना प्राचीन भारतीय संस्कृत साहित्य के नाटक 'मृच्छकटिकम' की मुख्य नायिका है, वह उज्जयिनी की एक बेहद धनी, खूबसूरत और कला प्रेमी नगरवधू थीं।

नादेज की हरियाली

फ्रांस में पेरिस फैशन वीक के दौरान फैशन हाउस 'हर्मीस' के लिए डिज़ाइनर नादेज वानही का कलेक्शन चर्चा में रहा। फॉल/विंटर 2025-2026 विमेंस रेडी-टू-वियर कलेक्शन शो में मॉडल्स ने उनके डिज़ाइन्स खास तौर पर पेश की।

घर पर करें गुलाब फेशियल, पाएं ग्लोइंग स्किन

अखबार और टीवी में रोजाना नई क्रीम, फेस पैक और कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स के विज्ञापन दिखते हैं। इन्हें देखकर हमें भी बेदाग और दमकती त्वचा पाने की चाह होती है। पर क्या सच में ये केमिकल वाले प्रोडक्ट्स इतने असरदार होते हैं कि लगाते ही चेहरे पर चमक आ जाए? नहीं, यह सिर्फ एक गलतफहमी है।

अगर कुछ प्रोडक्ट्स से थोड़ी देर के लिए चमक आती भी है, तो वे केमिकल से भरे होते हैं। इनसे आपको कुछ वक्त के लिए चमक तो मिल जाती है, लेकिन इनके साइड इफेक्ट्स भी कम नहीं होते। वहीं यह आपके महीने का बजट को भी हिला कर रख देता है।

ऐसे में, अगर आपको चेहरे पर प्राकृतिक चमक चाहिए, तो आप गुलाब के फूल से आसानी से फेशियल कर सकती हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट डॉ. भारती तनेजा बताती हैं, ₹ प्रकृति ने हमें ऐसी कई चीजें दी हैं, जो चेहरे पर नेचुरल ग्लो ला सकती हैं। इनमें से गुलाब बहुत ही लाभदायक है। आप केवल 2 से 3 गुलाब के फूलों से घर पर ही पूरा फेशियल कर सकती हैं।

यह फेशियल 7 आसान स्टेप्स में किया जा सकता है। यह आपकी त्वचा को बिना किसी

केमिकल के नुकसान पहुंचाए प्राकृतिक रूप से चमकदार बनाएगा। तो अब केमिकल वाले प्रोडक्ट्स पर पैसा खर्च करने की बजाय, गुलाब की मदद से अपनी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाएं।

चेहरे को क्लीन करें

फेशियल की प्रक्रिया का सबसे पहला स्टेप है चेहरे को गुलाब जल से साफ करें। यह गुलाब जल आप बाजार से भी खरीद सकती हैं और चाहें तो घर पर भी बना सकती हैं। इसे बनाने की प्रक्रिया बहुत ही आसान है-

इसके लिए सामग्री 2 मुट्ठी गुलाब की पंखुड़ियां,1 गिलास पानी,1 बड़ा चम्मच नींबू का रस,1 छोटा चम्मच ऑलिव ऑयल चाहिए।

विधि

वैसे तो आप 2 दिन तक गुलाब के फूल को पानी में डिप करके रखें और छान कर उसे एक स्प्रे बॉटल में डाल लें। इसे आप डायरेक्ट मुंह में लगा सकती हैं। मगर हम आपको एक स्पेशल गुलाब जल के बारे में बता रहे हैं, जो आपके लिए एक बहुत अच्छे टोनर का काम करेगा। इसके लिए आपको एक गिलसा पानी में 2 दिन तक गुलाब की पंखुड़ियों को डिप करके रखें और फिर उसके पानी को छान लें और फिर उसमें अन्य सामग्रियां मिलाएं। अब आप नींबू का रस, ऑलिव ऑयल आदि भी इस मिश्रण में डालें। फिर आप इसे टोनर की तरह इस्तेमाल करें और चेहरे को साफ करें।

चेहरे को स्क्रब करें

चेहरे को स्क्रब करने से डेड स्किन रिमूव होती है। इससे चेहरे का कालापन और खुरदुरापन भी कम होता है।

गोटा पट्टी ब्लाउज के डिजाइंस से सिंपल साड़ी को डिजाइनर लुक

गोटा पट्टी का काम पारंपरिक परिधानों में एक खास चमक और खूबसूरती जोड़ता है और यही वजह है कि महिलाओं के बीच गोटा वर्क वाले आउटफिट्स की जबरदस्त डिमांड रहती है। बाजार में आपको गोटा पट्टी वर्क वाली साड़ियों की भरपूर वेराइटी देखने को मिल जाएगी, लेकिन अब केवल साड़ियों तक ही यह वर्क सीमित नहीं है। गोटा पट्टी ब्लाउज भी खूब ट्रेंड में हैं। ये ब्लाउज इतने आकर्षक और मनभावन होते हैं कि एक नजर में ही उन्हें खरीदने का मन करता है।

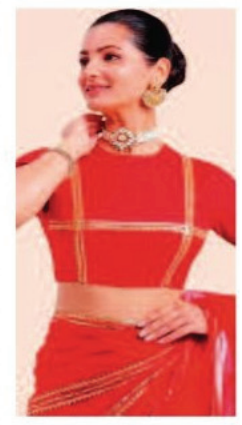

हालांकि, गोटा वर्क ब्लाउज को किस तरह की साड़ी के साथ पहनना चाहिए, यह समझना बेहद जरूरी है। क्योंकि कई बार महिलाएं इन सुंदर ब्लाउज को खरीद तो लेती हैं, लेकिन उन्हें गलत साड़ी के साथ पहनकर अपना पूरा लुक बिगाड़ बैठती हैं। सही साड़ी के साथ मैच न करने पर ना तो ब्लाउज की खूबसूरती उभरकर आती है और ना ही पहनने वाली का लुक खास बन पाता है।

इसलिए जरूरी है कि गोटा पट्टी वाले ब्लाउज को जॉर्जेट, शिफॉन, सिल्क या नेट वाली साड़ी के साथ पहना जाए। आज हम न केवल आपको गोटा वर्क ब्लाउज के बेहतरीन डिजाइनों से रूबरू कराएंगे, बल्कि यह भी बताएंगे कि किस मौके पर और किस फैब्रिक की साड़ी के साथ इन्हें कैसे स्टाइल किया जाए, ताकि आपका लुक पारंपरिक होते हुए भी ट्रेंडी और खूबसूरत दिखे।

गोटा पट्टी ब्लाउज की 5 डिजाइंस

गोटा पट्टी का काम राजस्थानी कला का एक बेजोड़ उदाहरण है। यह एम्ब्रॉयडरी पूरे विश्व में लोकप्रिय है। एक छोटा और पतला सा गोटा पूरे ब्लाउज की खूबसूरती में चार-चांद लगा देते हैं। ऐसे में किस तरह के गोटे वाले ब्लाउज आप किस तरह की साड़ी के साथ पहन सकती हैं, चलिए हम आपको बताते हैं।

जींस और टॉप के साथ पेयर करें खास फुटवियर, जो देंगे क्लासी लुक

फैशन की दुनिया में रोजाना नए-नए ट्रेंड बदलते रहते हैं। ऐसे में अधिकतर महिलाएं फैशनेबल लुक क्रिएट करने के लिए काफी कोशिश करती हैं। आपको कुछ ऐसे फुटवियर के बारे में जानना चाहिए, जिन्हें आप जींस टॉप या जींस शर्ट के साथ शामिल कर सकती हैं।

वेज सैंडल

अपने लुक को भीड़ से हटकर दिखाने के लिए आप जींस और टॉप के साथ इस तरह की खूबसूरत वेज सैंडल फुटवियर ट्राई कर सकती हैं। ऐसे फुटवियर न सिर्फ आपके पैरों की खूबसूरती को बढ़ा देंगे, बल्कि यह आपके लुक को एलिगेंट और क्लासिक टच देने में भी आपकी मदद करेंगे। आप इस तरह के फुटवियर को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

आउटफिट के साथ इस तरह के खूबसूरत थोंग फ्लिप-फ्लॉप फुटवियर को शामिल कर सकती हैं। ऐसे फुटवियर न सिर्फ आपको डिफरेंट लुक देंगे में मदद करेंगे, बल्कि इससे आप अपने पैरों की खूबसूरती को भी बढ़ा सकती हैं। आप इस तरह के फुटवियर को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

थोंग फ्लिप-फ्लॉप

अगर आप जींस के साथ टी-शर्ट पहन रही हैं और अपने इस लुक को डिफरेंट और गॉर्जियस लुक देना चाहती हैं, तो अब आप अपने

टेक्सचर्ड ब्लॉक हील पंप्स

ड्रेस चाहे कितनी भी अच्छी क्यों ना हो, लेकिन जब तक फुटवियर सही नहीं हो तब तक आपका लुक गॉर्जियस बन नहीं सकता है।

झाइयों से परेशान हैं तो कम खर्च में ऐसे होगा चेहरा साफ

चेहरे की खूबसूरती तब फीकी पड़ जाती है जब उस पर दाग-धब्बे या झाइयां दिखाई देने लगती हैं। खासकर जब बात झाइयों की हो, तो यह समस्या और भी ज्यादा चिंता बढ़ा देती है क्योंकि झाइयां इतनी आसानी से दूर नहीं होतीं। चेहरे पर एक छोटा सा निशान भी पूरे लुक को बिगाड़ सकता है, ऐसे में अगर झाइयों के काले धब्बे चेहरे पर दिखाई देने लगें, तो आत्मविश्वास पर भी असर पड़ता है। लेकिन चिंता की कोई बात नहीं, क्योंकि अब आप आसान घरेलू उपाय से झाइयों की समस्या को जड़ से खत्म कर सकते हैं।

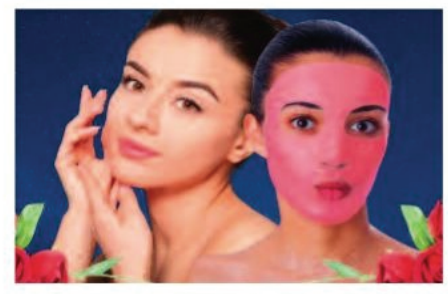

ब्यूटी एक्सपर्ट सोमा घोष बताती हैं कि इसेआप घर पर ही बहुत कम खर्च में बना सकती हैं। यह जेल न केवल झाइयों को कम करेगा बल्कि त्वचा को पोषण भी देगा और उसे चमकदार बनाएगा। इस उपाय को अपनाकर आप फिर से अपनी त्वचा की प्राकृतिक सुंदरता और आत्मविश्वास को हासिल कर सकती हैं।

नींबू से साफ होंगी झाइयां

नींबू विटामिन-सी का बहुत अच्छा सोर्स होता है। अगर आप झाइयों से परेशान हैं, तो आपको एक बार नींबू के जेल का इस्तेमाल करके देखना चाहिए, जो घर पर ही आसानी से बस सकता है।

एंटी पिग्मेंटेशन फेस जेल क्या है?

विटामिन-सी त्वचा के दाग-धब्बों को कम करता है। जिस जेल की विधि हम आपको आज बताने जा रहे हैं, उसमें विटामिन-सी की मात्रा भरपूर है। सबसे अच्छी बात है कि इस जेल को बनने में आपको केवल 2 रुपये ही खर्च करने पड़ेंगे बाकी सारी सामग्री आपके घर पर ही उपलबध हो जाएगी।

कार्नर न्यूज — फ्लोरल शर्ट को अलग-अलग तरीकों से पहनें, दिखेंगे अट्रैक्टिव और स्टाइलिश

बारिश के मौसम में फ्लोरल शर्ट देगी आपको ग्लैमरस लुक, डिजाइन पर फिदा हो जाएंगे लोग

बारिश के मौसम में पुरुषों के लिए फ्लोरल शर्ट परफेक्ट हैं। खासकर कैजुअल लुक के लिए इससे अच्छा और कुछ नहीं हो सकता है। समर सीजन में टॉप वियर में इस स्टाइल की शर्ट को अपने वार्डरोब में शामिल करें। कई लोगों को लगता है कि फ्लोरल शर्ट को एक ही तरीके से पहन सकते हैं। जैसे- हमारे एक जान-पहचान वाले साथी ने कहा कि फ्लोरल शर्ट बस समुद्र तट पर घूमने फिरने के लिए सही है। हां, ये सच है कि ट्रिप के दौरान स्टाइलिश लोग फ्लोरल शर्ट पहनना पसंद करते हैं। मगर उनको ये पता ही नहीं कि फ्लोरल शर्ट को कहीं भी किसी ओकेजन पर पहनकर जा सकते हैं।

अपने ऑफिस से लेकर पार्टी तक में ऐसे कैजुअल शर्ट को पहनना अच्छा रहता है। इसलिए हम यहां पर फ्लोरल शर्ट को अलग-अलग तरीकों से पहनकर जाने का तरीका बता रहे हैं। आप अपनी फ्लोरल शर्ट की मैचिंग कैसे कर सकते हैं। ये बात भी आपको यहां पर सीखने को मिलेगी-

चिनोज और फ्लोरल शर्ट

चिनोज के साथ फ्लोरल शर्ट को पहना जा सकता है। इसके लिए एक बेहतरीन कलर कॉम्बिनेशन वाले चिनोज पैंट के साथ परफेक्ट फिटिंग वाली फ्लोरल शर्ट पहनें। इसको पहनने के बाद लुक में निखार आएगा।

कब पहनें : अगर आपके ऑफिस में कैजुअल ड्रेस पहनने की अनुमति है तो वहां पहनकर जाएं। अन्यथा कैजुअल ड्रेस डे के दिन पहनकर जा सकते हैं। ये परफेक्ट होगा। इसके अलावा डेट पर जाने के लिए भी ये सही है।

जींस और फ्लोरल प्रिंट शर्ट

जींस के साथ ही फ्लोरल प्रिंट वाली शर्ट को पहन सकते हैं। इस तरह की शर्ट में आपको मनचाहा लुक मिल सकता है। गर्मी के सीजन में जींस के साथ हाफ स्लीव फ्लोरल शर्ट को पहनें। अन्यथा फुलस्लीव वाली शर्ट की बांहों को भी मोड़कर पहन सकते हैं।

कब पहनें : इस तरह के लुक में ऑफिस जाया जा सकता है। इसके अलावा शॉपिंग या आउटिंग के दौरान ऐसे ड्रेसअप में जाएं।

बरमूडा शॉर्ट्स और फ्लोरल शर्ट

गर्मी के सीजन में कहीं घूमने-फिरने जा रहे हैं तो बरमूडा शॉर्ट्स और फ्लोरल शर्ट लेकर जाएं। समुद्र तट पर या द्वीप पर छुट्टियों के दौरान ऐसी ड्रेस में परफेक्ट लुक मिल सकता है।

कब पहनें: इस तरह की ड्रेस को पहनकर घर पर रह सकते हैं। इसके अलावा आप ट्रिप पर ऐसी ड्रेस पहनकर जाएं। मगर ऑफिस के लिए ऐसे लुक को ट्राय करने से बचें।

पुलिस जवानों ने किया बलवा ड्रिल का अभ्यास, भीड़ नियंत्रण और आपात स्थिति से निपटने की तैयारी पर जोर

जांजगीर-चांपा, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार सुबह पुलिस लाइन जांजगीर में पुलिस अधिकारियों और जवानों ने बलवा ड्रिल का अभ्यास किया। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में जनरल परेड के बाद आयोजित इस अभ्यास में जवानों को विभिन्न आपात परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने का प्रशिक्षण दिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप ने अभ्यास के दौरान पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था ड्यूटी के दौरान भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस को सतर्कता, संयम और सूझबूझ के साथ काम करना चाहिए। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल को हर समय तैयार रहने और आम नागरिकों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। बलवा ड्रिल के दौरान जवानों को भीड़ नियंत्रण, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया, दंगाई गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने से जुड़े विभिन्न व्यावहारिक पहलुओं का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही बलवा नियंत्रण में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों और सुरक्षा उपायों की जानकारी भी दी गई। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल की कार्यकुशलता, आपसी समन्वय और आपात परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई की क्षमता को बढ़ाना रहा। ड्रिल के दौरान जवानों ने विभिन्न परिस्थितियों में भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने का अभ्यास किया।

हाथी के हमले से गई एक ग्रामीण की जान, तोड़ी झोपड़ी

वन विभाग ने तत्काल उपलब्ध कराई 25 हजार की सहायता राशि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर वन परिक्षेत्र में हाथियों का आतंक लगातार जानलेवा होता जा रहा है। वनांचल के ग्रामीण हर दिन भय के साये में जीवन व्यतीत करने को विवश हैं। शनिवार तड़के एक बार फिर हाथी ने कहर बरपाते हुए खरसोता बीट अंतर्गत परमेश्वरपुर के समीप एक ग्रामीण को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया।

बताया गया है कि मृतक जंगल के भीतर झोपड़ी बनाकर अपने परिवार के साथ रह रहा था। जहां अल सुबह अचानक हाथी वहां पहुंच गया। ग्रामीण कुछ समझ पाता, उससे पहले ही हाथी ने उस पर हमला कर दिया और मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। ग्रामीण पर हमले के बाद हाथी ने झोपड़ी को भी तहस-नहस कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। पंचनामा और अन्य आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। विभाग की ओर से मृतक के परिजनों को तात्कालिक राहत के रूप में 25 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की गई तथा शासन के नियमानुसार आगे की सहायता राशि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।प्रतापपुर वन परिक्षेत्र के जंगलों से लगे गांवों में इन दिनों हाथियों की लगातार आवाजाही बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि शाम ढलते ही लोग घरों से बाहर निकलने से डरते हैं। खेतों में काम करने और जंगल से लकड़ी व अन्य उपज संग्रह करने जाने वाले लोगों के सामने हर पल जान का खतरा बना रहता है। लगातार हो रही

जनहानि से लोगों में भय और आक्रोश दोनों बढ़ रहे हैं।

बार-बार हो रही घटनाओं पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि हाथियों की गतिविधियों की जानकारी समय पर नहीं मिलती और न ही संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त निगरानी की व्यवस्था है। ग्रामीणों ने मांग की है कि हाथियों की नियमित मॉनिटरिंग, समय पर अलर्ट, प्रभावित गांवों में रात्रि गश्त, हाथी मित्र दल की सक्रियता और स्थायी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं, ताकि भविष्य में किसी और परिवार को इस तरह की त्रासदी का सामना न करना पड़े। इस ताजा घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर वनांचल में लगातार बढ़ रहे हाथी-मानव संघर्ष पर प्रभावी नियंत्रण कब होगा। जब तक ठोस और स्थायी कदम नहीं उठाए जाते, तब तक निर्दोष ग्रामीणों की जान जोखिम में बनी रहेगी और ऐसे हादसे दोहराते रहेंगे।

15 करोड़ हस्ताक्षरों के साथ गो सम्मान अभियान का सौपा ज्ञापन

सूरजपुर से 1.83 लाख नागरिकों का समर्थन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गोमाता की सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित कराने की मांग को लेकर चलाए जा रहे गो सम्मान आह्वान अभियान के द्वितीय चरण के तहत रविवार को यहां कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। अभियान के तहत देशभर के सभी जिलों से 15 करोड़ से अधिक नागरिकों के हस्ताक्षरों सहित प्रार्थना-पत्र सरकार को प्रेषित किए गए। अभियान के प्रतिनिधियों ने बताया कि देशभर में पिछले छह माह से संतों, गौसेवकों एवं गोभक्तों के नेतृत्व में जनजागरण और हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से गोहत्या-निषेध के लिए केंद्रीय कानून बनाने, गोमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान देने, केंद्रीय गो मंत्रालय की स्थापना, गोचर भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने, केंद्रीय गो-चारा नीति लागू करने सहित 30 से अधिक प्रमुख मांगें सरकार के समक्ष रखी गई हैं। जिले से 1.83 लाख 578 नागरिकों के हस्ताक्षर संकलित किए गए। 7,215 पन्नों के दस्तावेजों का डिजिटल रिकॉर्ड पेनड्राइव के साथ जिलाधिकारी के माध्यम से केंद्र सरकार को भेजा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गोमाता के पूजन, शंखनाद तथा श्री राम जय राम जय जय राम मंत्र के सामूहिक जप के साथ हुआ। इसके बाद रंगमंच मैदान से कलेक्ट्रेट तक शांतिपूर्ण प्रार्थना-यात्रा निकाली गई। यात्रा में भगवान श्रीकृष्ण-बलराम की झांकी, गोमाता की आकर्षक झांकी, अभियान के झंडे, बैनर और संदेश लिखे प्लेकार्ड शामिल रहे। कलेक्ट्रेट पहुंचने पर संत-महात्माओं, विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन और हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना-पत्र सौंपा। अभियान से जुड़े प्रतिनिधियों ने कहा कि गोमाता भारतीय संस्कृति, कृषि, पर्यावरण, ग्राम्य अर्थव्यवस्था और जनकल्याण का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने सरकार से अभियान की सभी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया। साथ ही कहा कि यह अभियान पूरी तरह शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से संचालित किया जा रहा है तथा मांगों पर निर्णय होने तक चरणबद्ध रूप से जारी रहेगा।

कार्यक्रम में जिले के संत-महात्मा, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि, मातृशक्ति, युवा, किसान, व्यापारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में गोभक्त उपस्थित रहे।

संविदा कर्म. महासंघ ने मंत्री लक्ष्मी और भाजपा संभागीय प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले संविदा कर्मचारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े से मुलाकात कर अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने नियमितीकरण, सेवा सुरक्षा और वेतन वृद्धि की प्रमुख मांगें मंत्री के समक्ष रखीं। मंत्री ने संविदा कर्मचारियों की समस्याओं पर सकारात्मक चर्चा की और आश्वस्त किया कि इन मांगों एवं विषयों को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में प्रमुखता से रखा जाएगा।

इसी कड़ी में भाजपा संभागीय प्रभारी अवधेश चंदेल को भी शासन के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में की गई प्रमुख मांगें और अन्य राज्यों का हवाला संविदा कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन में विधानसभा चुनाव 2023 के घोषणा पत्र मोदी की गारंटी के तहत किए गए वादों की याद दिलाई गई। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि

मोदी की गारंटी को पूरा करने की मांग चुनाव पूर्व भाजपा के

शीर्ष नेताओं द्वारा संविदा कर्मचारियों के आंदोलनों को समर्थन दिया गया था तथा सत्ता में आने पर मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया गया था। मार्च 2024 में गठित उच्च स्तरीय समिति के दो वर्ष बीत जाने के बाद भी किसी ठोस निर्णय पर न पहुँचने पर असंतोष व्यक्त किया गया तथा समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक कर त्वरित निर्णय लेने की मांग की गई। ज्ञापन में पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश की नीतियों का हवाला दिया गया, जहाँ संविदा कर्मियों के लिए 62 वर्ष तक नौकरी सुरक्षा, अनुकंपा नियुक्ति, समान कार्य का समान वेतन, नियमित पदों में 50 प्रतिशत आरक्षण, नई पेंशन योजना, समकक्षता निर्धारण तथा 10 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले संविदा कर्मियों को चरणबद्ध तरीके से नियमित करने जैसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा जैसे राज्यों में लागू किए गए सेवा सुधार एवं नियमों का उदाहरण देते हुए छत्तीसगढ़ में भी समयबद्ध नीति बनाने का आग्रह किया गया। ज्ञापन सौंपने वालो में शैलेन्द्र कुमार जायसवाल, मिली रानी कर, वरुण सैदाणे, बृजलाल पटेल, अमित सिंह, अनिल कुमार, प्रवीण ठाकुर, अभय कुमार ओझा, रौशन झा, अहिबरन सिंह, नागिना, स्वर्णा, मनप्रीत सिंह, संजय, हंस लाल, अशोक साहू, संजय सोरी साहू, राजेश किंडो सहित जिले के सैकड़ों संविदा कर्मचारी मौजूद रहे।

समय रहते विभाग करें अपनी सभी जिम्मेदारियां पूर्ण : कलेक्टर

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने दिये आवश्यक निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। स्वतंत्रता दिवस के आयोजन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा की बैठक में आवश्यक चर्चा की गई। बैठक में तैयारी के दृष्टिकोण से जिला स्तरीय अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय के पूर्व ही सभी तैयारियां पूर्ण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयोजन से जुड़े सभी कार्य अंतिम समय पर लंबित न रहें, इसके लिए संबंधित विभाग समय रहते अपनी जिम्मेदारियां पूर्ण करें। कलेक्टर ने वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए आयोजन स्थल पर पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने की बात कही, जिससे बारिश की स्थिति में भी कार्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में सतर्क रहते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं समय पूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समय-सीमा की बैठक में स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान टीकाकरण अभियान की प्रगति, आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदन कार्ड बनाने के कार्य तथा विभिन्न स्थानों पर आयोजित शिविरों की स्थिति की जानकारी ली गई। बरसात के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए संभावित बीमारियों से निपटने हेतु संबंधित दवाइयों के पर्याप्त स्टॉक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के आवश्यक दिशा-निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए गए।

अग्रसेन चौक के सब्जी व्यवसायियों को बाजार भेजने के निर्देश

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा और कानून व्यवस्था की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं सुचारू बनाने तथा दुर्घटना संभावित स्थलों पर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। इसके अलावा जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा करते हुए रात्रि गश्त करने, पर्याप्त लाइटिंग व्यवस्था करने और पुलिस प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जिले के सभी दुर्घटना संभावित एवं चिन्हित ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक सुरक्षा कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को ऐसे स्थानों पर आवश्यकतानुसार साइनेज बोर्ड, चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर, स्पीड ब्रेकर, रोड मार्किंग सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने परिवहन विभाग को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमित एवं सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा ओवरलोडेड वाहनों पर भी सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में केतका रोड पर लगने वाले सब्जी बाजार के कारण उत्पन्न होने वाली यातायात बाधाओं पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने आमजन एवं स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए केतका रोड स्थित सब्जी बाजार को बड़कापारा बाजार में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बड़कापारा बाजार में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था शीघ्र दुरुस्त करने के निर्देश दिए, ताकि वहां व्यवस्थित रूप से बाजार संचालित हो सके और केतका रोड पर यातायात निर्बाध रूप से संचालित होने के साथ दुर्घटनाओं की संभावना भी कम हो। इसके अलावा अस्पतालों और होटलों में फायर सेफ्टी फंक्शनल है या नहीं उसका निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में असमाजिक तत्वों के गतिविधियों पर नजर रखने और आगामी सावन माह और काँवर यात्रा को देखते हुए सभी आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में मिले 50 आवेदन

जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याओं, मांगों एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन के दौरान कुल 50 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें राजस्व, पंचायत, पेयजल, विद्युत, सड़क, सहित अन्य विभागों से संबंधित आवेदन शामिल रहे।

कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पीजी कॉलेज के प्राणीशास्त्र विद्यार्थियों ने किया बीएचयू का शैक्षणिक भ्रमण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पीजी महाविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग के स्नातकोत्तर सेमेस्टर द्वितीय एवं चतुर्थ के विद्यार्थियों ने विभागीय शिक्षकों के साथ बीएचयू, वाराणसी का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक प्रयोगशालाओं, अनुसंधान सुविधाओं एवं वैज्ञानिक कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अनुभव कराना था। विभागाध्यक्ष डॉ. चंदन कुमार ने बताया कि इस प्रकार के भ्रमण से विद्यार्थियों में उच्च शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की समझ विकसित होती है।भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने बीएचयू के प्राणीशास्त्र विभाग में अकशेरुकी एवं कशेरुकी कार्यात्मक शरीर रचना विज्ञान, कीट विज्ञान, मॉलिक्युलर बायोलॉजी, जीवाणु विज्ञान, जैव रसायन एवं आणविक जीवविज्ञान, केंद्रीय प्रयोगशाला, जंतु विज्ञान संग्रहालय एवं पुस्तकालय का अवलोकन किया। ड्रोसोफिला प्रयोगशाला में शोध विद्वानों ने विद्यार्थियों को फूड प्रिपरेशन, ड्रोसोफिला स्टॉक्स के संरक्षण एवं अनुसंधान प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण

दिया, साथ ही प्रयोगशाला उपकरणों के प्रत्यक्ष प्रयोग एवं शोध विधियों की भी विस्तृत जानकारी दी। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने डेयरी साइंस एवं फूड टेक्नोलॉजी विभाग का भ्रमण किया, जहां उन्हें गौवंश रखरखाव, आधुनिक दुग्ध उत्पादन तकनीक तथा खाद्य प्रसंस्करण की नवीन विधियों से अवगत कराया गया। इस दौरान विद्यार्थियों एवं शोध विद्वानों के बीच शोध विषयों पर सार्थक संवाद भी हुआ।

प्रयोगशाला भ्रमण के उपरांत विद्यार्थियों ने बीएचयू स्थित प्रसिद्ध भारत कला भवन का भ्रमण कर प्राचीन मूर्तियों, दुर्लभ पांडुलिपियों, चित्रकला, सिक्कों एवं ऐतिहासिक कलाकृतियों का अवलोकन किया। इसके साथ ही विद्यार्थी श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन तथा गंगा नदी स्थित अस्सी घाट पर आयोजित प्रसिद्ध गंगा आरती में भी सम्मिलित हुए।

घाट क्षेत्र में विद्यार्थियों ने जैव विविधता का अध्ययन करते हुए संघ आर्थोपोडा के जीवों, सरीसृप एवं पक्षियों का भी अवलोकन किया। डॉ. चंदन कुमार ने विद्यार्थियों को प्रयोगशाला प्रबंधन, उपकरणों के उपयोग एवं सावधानियों के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया।

पेयजल संकट और बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर कांग्रेस का हल्ला बोल

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, फिल्टर प्लांट से लेकर सड़कों तक की खामियां गिनाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर निगम क्षेत्र में पेयजल संकट, सफाई व्यवस्था की दुर्दशा, बंद स्ट्रीट लाइट और जर्जर सड़कों को लेकर कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक और नगर निगम नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर से मुलाकात कर विस्तृत ज्ञापन सौंपा और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए।

ज्ञापन से पहले कांग्रेस प्रतिनिधियों ने शहर को पानी सप्लाई करने वाले तकिया और कतकालो फिल्टर प्लांट का औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण में सामने आया कि दोनों प्लांट अपनी निर्धारित

क्षमता से काफी कम जल शोधन कर रहे हैं। कांग्रेस ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि मड पंप लंबे समय से खराब पड़ा है। 6 क्लैरिफ्लोकुलेटरों में से 3 बंद हैं। फिल्टर बेड की नियमित सफाई नहीं हो रही है। एलम यानी फिटकरी की भारी कमी है। आवश्यक तकनीकी कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं। नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने कहा कि निगम प्रशासन लगातार बिजली कटौती को जल संकट की वजह बता रहा है, लेकिन हकीकत में समस्या का कारण प्लांटों का खराब रखरखाव, संसाधनों की कमी और प्रशासनिक लापरवाही है। अगर समय पर इस ओर ध्यान दिया गया होता तो शहरवासियों को यह दिन नहीं देखना पड़ता। प्रतिनिधिमंडल में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह धंजल, पार्षद हसन खान, पपिन्दर सिंह, मो. बाबर, मो. अख्तर चम्मा, शुभम जायसवाल, जेनेविवा कुजूर, लूकस एक्का, मंडल अध्यक्ष अमित सिन्हा, बालकेश्वर तिर्की शामिल रहे।

सफाई, लाइट और सड़कें भी बदहाल

ज्ञापन में कांग्रेस ने कहा है कि कभी देश भर में मिसाल बनने वाली अंबिकापुर की सफाई व्यवस्था पिछले डेढ़ साल में पूरी तरह बिगड़ गई है। कई वार्डों में नियमित सफाई नहीं हो रही है। इसके अलावा शहर की अधिकांश स्ट्रीट लाइटें बंद हैं। कई सड़कें बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। 6 महीने पहले जिन सड़कों के टेंडर हुए, उनका काम आज तक शुरू नहीं हुआ है।

कलेक्टर से की गई ये मांग

प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर से मांग की, फिल्टर प्लांटों की तकनीकी जांच कराकर बंद उपकरणों की तत्काल मरम्मत की जाए। पर्याप्त तकनीकी स्टाफ और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। नियमित और स्वच्छ पेयजल आपूर्ति बहाल की जाए। सफाई व्यवस्था में सुधार और स्ट्रीट लाइटें चालू कराई जाएं। जर्जर सड़कों की मरम्मत कराकर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो जनहित में व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

कंकाल की हुई पहचान, गुमशुदगी की रिपोर्ट के प्रति पुलिस नहीं रही गंभीर

महामाया पहाड़ में मिले सड़े-गले शव की पहचान होने के पूर्व पुलिस करा दी थी दफन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के कोतवाली थाना अंतर्गत महामाया पहाड़ में मिले अज्ञात कंकाल की पहचान चप्पल और कपड़े से शुभम कश्यप पिता स्व. मुन्ना कश्यप 33 वर्ष निवासी मायापुर, कोतवाली के समीप के रूप में हुई है। मामले में स्वजन ने पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मृतक शहर के जयस्तंभ चैक के पास युग मोबाइल रिपेयरिंग नामक दुकान का संचालन करता था, वह 10 जुलाई की देर रात से लापता था। बता दें कि, महामाया पहाड़ के सागौन नर्सरी में 25 जुलाई को पेड़ से लटका सड़ा-गला शव मिल था। धड़ का हिस्सा गलकर जमीन पर गिर गया था। इसकी जानकारी बीट गार्ड से मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस और एफएसएल के अधिकारी मौके का बारीकी से परीक्षण किए और मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया था। शार्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अज्ञात पुरुष का शव होने की पुष्टि हुई थी। इसके पहले शव और चप्पल किसी महिला का होने जैसी बातें हो रही थी। पुलिस की लापरवाही ही कही जाए, मृतक की पहचान का प्रयास किए बिना पुलिस ने शव को दफन करवा दिया। कोतवाली थाना पुलिस ने पूर्व में सामने आए गुमशुदगी के मामलों को खंगालना और संबंधितों के स्वजनों से शव और आसपास मिले सामानों का पहचान कराना भी जरूरी नहीं समझा, जबकि इसके पहले कोतवाली के पास

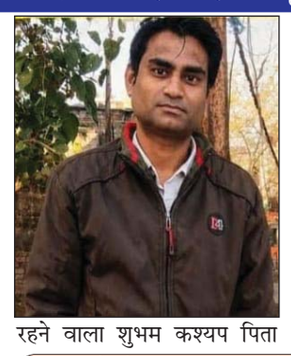

रहने वाला शुभम कश्यप पिता मुन्ना कश्यप 37 वर्ष 10 जुलाई की रात को लापता हो गया था। युवक के लापता होने की जानकारी स्वजन ने उसी दिन कोतवाली थाने में जाकर पुलिस को दी थी। स्वजन का कहना है कि, पहाड़ में मिले अज्ञात व्यक्ति के कंकाल की पहचान के लिए उन्हें सूचना नहीं मिली और शव को पोस्टमार्टम के बाद दफन करवा देने की जानकारी दे रही है।

नशे में आया घर, तो ले गए थे कोतवाली

मृतक के संबंधियों का कहना है कि, शुभम नशे का आदि था। 10 जुलाई को भी वह नशे के हालत में घर आया था। वे उसे कोतवाली थाना यह सोचकर ले गए थे कि पुलिस की फटकार से उसकी आदत में सुधार आएगा। यहां से कुछ देर बाद वे घर आ गए, शुभम भी पीछे से घर आ रहा था मगर रास्ते में गायब हो गया। उन्होंने उसे ढूंढने का प्रयास किया मगर सफलता नहीं मिली और कोतवाली पुलिस के संज्ञान में इसे लाया था। इनका कहना है कि, 11 जुलाई को पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज करके अपने कार्यों की इतिश्री कर ली। स्वजन का कहना है कि, कुछ दिन पहले शुभम की मां के मोबाइल पर एक संदेश आया था, जिसमें शुभम के एक युवती के पास होने और उसकी वापसी के लिए एक लाख रुपये की मांग की गई थी। आरोप है कि पुलिस ने इस सूचना को गंभीरता से नहीं लिया। इधर पुलिस अंतिम पुष्टि के लिए कंकाल का डीएनए परीक्षण कराने की बात कह रही है।

स्वजन ने चप्पल, कपड़े देखकर पहचाना

महामाया पहाड़ में अज्ञात व्यक्ति का कंकाल मिलने की जानकारी विभिन्न माध्यमों से सामने आई खबरों के माध्यम से मिलने पर स्वजन स्वयं 26 जुलाई की शाम 6 बजे कोतवाली थाना पहुंचे। उन्होंने कंकाल और आसपास से जब्त सामानों को दिखाने कहा। पुलिस कर्मियों ने जब मृतक का मौके पर मिले चप्पल और कपड़े का फोटो दिखाया तो इन्होंने शुभम का शव होने का दावा किया। इसके बाद शव की पहचान लापता मोबाइल दुकान के संचालक शुभम कश्यप के रूप में की गई। शव को मौके पर पोस्टमार्टम के बाद दफना देने की जानकारी मिलने पर मृतक की पत्नी व परिवार के अन्य सदस्य बिलखने लगे। आरोप है कि इस दौरान वहां मौजूद एक पुलिसकर्मी ने अन्य पुलिस कर्मियों से उन्हें थाना से भगाने के लिए कहा। इसकी जानकारी मिलते ही कांग्रेस नेता शफी अहमद, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता सहित अन्य कांग्रेसजन कोतवाली पहुंचे, और मृतक के स्वजन से संवेदनशील व्यवहार करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने कहा।

नामी कंपनी का नकली लोवर, टी-शर्ट बिक्री, कॉपीराइट एक्ट का मामला दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नामी कंपनी का नकली लोवर, टी शर्ट बिक्री के मामले में कोतवाली पुलिस ने गारमेंट दुकान के संचालक के विरूद्ध कॉपीराइट अधिनियम का मामला दर्ज किया है। इसकी रिपोर्ट बीते दिनों कंपनी की ओर से दर्ज कराई गई है। जानकारी के मुताबिक, कंपनी के इन्वेस्टीगेशन आफिसर मयंक शर्मा पिता हरीश शर्मा निवासी सांवरिया नगर, इंदौर ने कोतवाली थाना अंबिकापुर के संज्ञान में प्यूमा कंपनी के लोगो युक्त कपड़े व अन्य उत्पाद की बिक्री करने का मामला संज्ञान में लाया था। बताया गया था कि, प्यूमा कम्पनी के कपड़े के अलावा जूते एवं अन्य हूबहू दिखने वाले नकली उत्पाद शहर में बेचे जा रहे हैं। इसकी तस्दीक के लिये कोतवाली थाना से सहायक उपनिरीक्षक विवेक पाण्डेय ने अन्य सहयोगी पुलिस कर्मियों और इन्वेस्टीगेशन आफिसर मयंक शर्मा के अलावा सुमित शर्मा, शुभम वर्मा निवासी इंदौर मध्य प्रदेश के साथ मौके पर पहुंचे। एल्यूडिकेशन एड्वोकेट एंड सॉलिसिटर्स लॉ फर्म के जांच अधिकारी मयंक शर्मा के निशानदेही पर चिन्हित दुकान मां शेरावाली गारमेंट में विनोद गोयल मिले, और दुकान की तलाशी के कारण से अवगत कराने की लिखित सहमति मिलने पर मंयक शर्मा ने दुकान में रखे टी-शर्ट, लोवर को चिन्हित किया, जिसमें प्युमा कंपनी का हूबहू लोगो लगा हुआ था। दुकान संचालक ने पूछताछ में नकली प्रोडक्ट होने की जानकारी दी गई।

462 नग टी शर्ट, 310 नग लोवर मिला

जांचकर्ता मयंक शर्मा ने 462 नग टी शर्ट, 310 नग लोवर, जिसमें प्यूमा कंपनी जैसा लोगो लगा था, इसे नकली होना बताया गया। उक्त कपडा को बरामद करके दुकान संचालक विनोद गोयल निवासी कुण्डला सिटी को धारा 94 बीएनएसएस का नोटिस देकर पुलिस ने वैध दस्तावेज पेश करने कहा, जिसके नहीं होने की जानकारी लिखित में दी गई। यहां से बरामद किए गए प्यूमा कंपनी के टी-शर्ट और लोवर की कीमत 80 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने जांच के बाद आरोपित के विरूद्ध कॉपीराइट अधिनियम (संशोधित) 51, 63 कायम किया गया है।

'पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा-मांगें नहीं मानी तो खुद बैठूंगा भूख हड़ताल पर'

हरकत में आए जिम्मेदारों ने लिखित आश्वासन दिया, एनएसयूआई का भूख हड़ताल समाप्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय और राजीव गांधी पीजी कॉलेज के छात्र-छात्राओं की समस्याओं को लेकर एनएसयूआई का 2 दिवसीय क्रमिक भूख हड़ताल सोमवार को ही समाप्त हो गया। विश्वविद्यालय प्रशासन और प्रशासनिक अधिकारियों के लिखित आश्वासन के बाद एनएसयूआई ने हड़ताल वापस ली।

आंदोलन के दूसरे दिन पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव खुद धरना स्थल पहुंचे। उन्होंने छात्रों की मांगों का खुलकर समर्थन किया और कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि 'यदि समयबद्ध निराकरण नहीं हुआ तो मैं स्वयं छात्रों के साथ एक दिन के भूख हड़ताल पर बैठूंगा।' सिंहदेव के कड़े रुख के बाद विवि प्रबंधन बैकफुट पर आया और मांगों के त्वरित निराकरण का लिखित आश्वासन दिया। इनके आंदोलन को कांग्रेस नेताओं का भरपूर समर्थन मिला। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद, द्वितेंद्र मिश्रा, शैलेंद्र प्रताप सिंह, मोहम्मद इस्लाम, जीवन यादव, आलोक सिंह, राजा तिवारी, सौरभ फिलिप, निक्की खान, आतिफ रजा, शुभम जायसवाल, हिमांशु जायसवाल, आशीष शील, अंशु गुप्ता, तरन राज बाबरा, सतीश घोष, सुरेंद्र गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन और छात्र उपस्थित रहे। अंत में एनएसयूआई के ज्ञान तिवारी, सिफतैन रज़ा, अभिनव काशी, गौतम गुप्ता एवं एनएसयूआई सरगुजा की टीम ने सभी का आभार जताया और कहा कि संगठन भविष्य में भी छात्रहित के हर मुद्दे पर मजबूती से आवाज उठाता रहेगा।

छात्रों की अनदेखी बर्दाश्त नही-धरना स्थल पर टीएस सिंहदेव ने कहा कि छात्रों की जायज मांगों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार और छात्रों के हितों की रक्षा सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन दोनों की जिम्मेदारी है। अगर मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस छात्रों के संघर्ष में पूरी मजबूती से साथ खड़ी होगी।

एनएसयूआई ने उठाई ये 9 बड़ी मांगें-एनएसयूआई ने विवि प्रशासन के सामने छात्रहित की ये मांगें रखीं- शिक्षक भर्ती में रोस्टर नियमों के पालन की उच्चस्तरीय जांच हो। अंबिकापुर-राजपुर मार्ग से विश्वविद्यालय तक जर्जर सड़क का निर्माण किया जाए। मुख्य मार्ग पर संकेतक बोर्ड लगाना सुनिश्चित करें। परिसर में सीसीटीव्ही कैमरे और नियमित पुलिस पेट्रोलिंग हो। ऑनलाइन कॉपी जांच प्रणाली बंद कर पारंपरिक मूल्यांकन लागू किया जाए। जर्जर भवन की कक्षाओं को नए भवन में शिफ्ट किया जाए। इसके अलावा फीस वृद्धि पर रोक, टोल-फ्री हेल्पलाइन जारी करने, एनईपी के पाठ्यक्रम की पुस्तकें शीघ्र उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

आश्वासन के बाद खत्म हुई हड़ताल-आंदोलन के दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव और तहसीलदार धरना स्थल पहुंचे। उन्होंने एनएसूयआई के पदाधिकारियों से चर्चा करके सभी मांगों पर गंभीरता पूर्वक विचार और आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इसके बाद एनएसयूआई ने क्रमिक भूख हड़ताल समाप्त करने की घोषणा की। एनएसयूआई ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन पूरी तरह छात्रहित में था। अगर दिए गए आश्वासन के अनुसार समय पर काम नहीं हुआ तो संगठन और बड़ा आंदोलन करेगा।

संगठनात्मक रणनीति पर मंथन, 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने का संकल्प

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा द्वारा सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय, बलरामपुर में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में आगामी 'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर भी विस्तृत मार्गदर्शन एवं संगठनात्मक चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के कृषि मंत्री रामविचार नेताम रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि संत गुरु रविदास महाराज ने समरसता, समानता और मानवता का जो संदेश दिया, वह आज भी समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा 'हर घर तिरंगा' अभियान को जनभागीदारी का उत्सव बनाने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता सीतापुर विधायक राम कुमार टोप्पो ने संत गुरु रविदास महाराज के जीवन, संघर्ष और सामाजिक समरसता के लिए उनके

योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके आदर्श राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल ने की। कार्यक्रम के दौरान संगठन द्वारा निर्धारित आगामी कार्यक्रमों एवं अभियानों के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। इस दौरान गोपाल मिश्रा, मुन्नालाल चौधरी, बलवंत सिंह, शशिकला भगत, तारावती सिंह, ज़िला महामंत्री भानूप्रकाश दीक्षित, बसंती भगत, मुंद्रिका सिंह, रामकुमार कुशवाहा, जिला मीडिया प्रभारी जितेंद्र श्रीवास्तव, अजय यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना को मूर्तरूप देने नगर निगम की टीम सक्रिय

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से आवास का लाभ उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम अंबिकापुर की टीम लगातार सक्रियता और समर्पण के साथ कार्य कर रही है। टीम के समन्वित प्रयासों से हितग्राहियों को समय पर किस्तों का भुगतान, निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग तथा ऑनलाइन प्रक्रियाओं का सफल संचालन सुनिश्चित हो रहा है।

योजना के अंतर्गत सर्वेयर सतीश गुप्ता द्वारा हितग्राहियों के आवासों का जियो-टैग, आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन, निर्माण की प्रगति का निरीक्षण तथा समय पर किस्त जारी कराने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। इनके

निरंतर फील्ड कार्य और हितग्राही संपर्क के कारण अनेक पात्र परिवारों को योजना का लाभ समय पर प्राप्त हुआ है तथा आवास निर्माण कार्य में उल्लेखनीय गति आई है। सीएलटीसी उत्कर्ष पांडेय द्वारा नियमित रूप से फील्ड निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन कर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति और पात्रता का परीक्षण किया जा रहा है। इनके तकनीकी मार्गदर्शन एवं सतत मॉनिटरिंग से योजना का क्रियान्वयन अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी बन रहा है। एमआईएस एक्सपर्ट (सीएलटीसी) अनिकेत गोस्वामी योजना के समस्त ऑनलाइन डेटा प्रबंधन, हितग्राहियों की जानकारी का समयबद्ध अद्यतन, पोर्टल संचालन, प्रगति की मॉनिटरिंग, तकनीकी समन्वय, रिपोर्टिंग, डीपीआर तैयार करने तथा लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण का कार्य दक्षतापूर्वक कर रहे हैं। इनके द्वारा किए जा रहे सटीक डेटा प्रबंधन एवं सतत मॉनिटरिंग से किस्त स्वीकृति प्रक्रिया में तेजी आई है तथा योजना के संचालन में पारदर्शिता और कार्यकुशलता सुनिश्चित हुई है। इनके समन्वित प्रयासों से प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध रूप से पहुंच रहा है। हितग्राही भी टीम की सक्रियता, सहज उपलब्धता एवं जिम्मेदार कार्यप्रणाली के कारण योजना का लाभ बिना विलंब के प्राप्त कर रहे हैं।

कैट की बैठक में संगठन विस्तार, दिल्ली व्यापार महोत्सव की तैयारियों पर मंथन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स, कैट सरगुजा की महत्वपूर्ण कार्यकारिणी बैठक सोमवार को सरगुजा संभाग प्रभारी कन्हैया गुप्ता' के मुख्य आतिथ्य में हुई। बैठक में संगठन को मजबूत करने, सदस्यता अभियान तेज करने और आगामी राष्ट्रीय आयोजन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए कन्हैया गुप्ता ने कहा कि एक सशक्त संगठन ही व्यापारियों के हितों की रक्षा कर सकता है। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि वे व्यापारी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और सदस्यता अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप दें। बैठक में अधिक से अधिक व्यापारियों को कैट से जोड़ने पर सहमति बनी। बैठक

में कैट छत्तीसगढ़ के प्रदेश उपाध्यक्ष रविन्द्र तिवारी, जिला अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, अभिषेक जायसवाल, राजीव छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

भारत व्यापार महोत्सव की समीक्षा

बैठक में 12 से 14 अगस्त 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले भारतीय व्यापार महोत्सव में सरगुजा से जाने वाले प्रतिनिधिमंडल की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रतिनिधिमंडल के पंजीयन, आवागमन, आवास और समन्वय की संपूर्ण जिम्मेदारी अभिषेक सिंह पिंटू को सौंपी गई। अब तक दिल्ली प्रवास के लिए जिन सदस्यों ने पंजीयन कराया है, उनमें रंजय स्वर्णकार, सुनील अग्रवाल, गुरुणध्वज गुप्ता, आदर्श बंसल, रविन्द्र तिवारी, मुकेश अग्रवाल, अभिषेक सिंह, महेंद्र सिंह टुटेजा, अमित अग्रवाल, उपेंद्र गुप्ता एवं मुकेश शर्मा प्रमुख हैं। बैठक में अन्य व्यापारियों से भी राष्ट्रीय आयोजन में सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया।

उपेंद्र गुप्ता बने प्रदेश मंत्री

बैठक में संभाग प्रभारी कन्हैया गुप्ता ने उपेंद्र गुप्ता को कैट छत्तीसगढ़ का प्रदेश मंत्री नियुक्त किए जाने की घोषणा की। इस घोषणा के बाद उपस्थित पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। सभी ने विश्वास जताया कि उनके अनुभव और नेतृत्व से संगठन को नई दिशा मिलेगी। बैठक के अंत में सभी व्यापारियों से अपील की गई कि, वे कैट से जुड़कर संगठन को मजबूत बनाएं और व्यापारिक विकास के अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं।

मोबाइल पर शाम 6 बजे गूंजी तेज टोन, कईयों ने मोबाइल निकालकर बाहर रखा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सोमवार को शाम करीब 6 बजे एक साथ लाखों लोगों के मोबाइल फोन पर अचानक तेज और असामान्य चेतावनी की टोन सुनाई दी। कुछ क्षण के लिए लोग समझ ही नहीं पाए कि आखिर हुआ क्या है। कई लोगों ने तुरंत अपना मोबाइल देखा तो स्क्रीन पर 'एक्सट्रीमली सीवियर अलर्ट' अर्थात 'अत्यंत गंभीर चेतावनी' का संदेश दिखाई दिया। अचानक आए अलर्ट ने उत्सुकता के साथ लोगों की चिंता भी बढ़ा दी। यह अलर्ट आपदा प्रबंधन की ओर से संभावित खराब मौसम को लेकर जारी किया गया है। संदेश में अगले तीन घंटे के दौरान प्रदेश के कई जिलों में तेज गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश होने की आशंका जताई गई है। यह संदेश सेल ब्रॉडकास्ट तकनीक के माध्यम से भेजा गया है। आपदा या गंभीर मौसम की स्थिति में सरकार और मौसम विभाग बिना किसी मोबाइल नंबर के सीधे प्रभावित क्षेत्र के सभी मोबाइल फोन पर चेतावनी संदेश भेजता है।

इन जिलों के लिए जारी हुआ अलर्ट-मौसम विभाग के अनुसार बलोदाबाजार, बेमेतरा, बिलासपुर, दुर्ग, जांजगीर-चांपा, जशपुर, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, कोरबा, महासमुंद, मुंगेली, रायगढ़, रायपुर, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़ और सरगुजा जिले इस चेतावनी के दायरे में हैं। इन क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर तेज गरज-चमक, बिजली गिरने और मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है।

लोगों से सावधानी बरतने की अपील-आपदा प्रबंधन विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान खुले मैदान और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें। बिजली कड़कने के दौरान सुरक्षित स्थान पर रहें। अत्यावश्यक काम होने पर ही घर से बाहर निकलें। मौसम की ताजा जानकारी पर नजर बनाए रखें।

सीएम हेल्पलाइन में चिकन सेंटर द्वारा गंदगी फैलाने की सूचना, मौके पर पहुंची टीम ने बिना लाइसेंस चल रहे चिकन सेंटर को बंद कराया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत रिंग रोड में स्थित रामू चिकन सेंटर को बिना लाइसेंस संचालित करने और गंदगी फैलाने की शिकायत पर नगर निगम के उड़नदस्ता और फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर दुकान को तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया।

आसपास के लोगों ने मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के हेल्पलाइन पर इसकी शिकायत की थी। बताया गया था कि, दुकान के

कारण गंदगी फैल रही है। शिकायत के बाद मौके पर पहुंची टीम ने निरीक्षण किया। फूड सेफ्टी अधिकारी 'लक्ष्मीकांत यादव' ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन में की गई शिकायत के बाद वे निगम की टीम के साथ निरीक्षण करने पहुंचे थे। जांच में सामने आया कि इनके द्वारा अवैध तरीके से बिना लाइसेंस के चिकन का कारोबार किया जा रहा है। इनके पास खाद्य लाइसेंस और किसी प्रकार का अनापत्ति प्रमाणपत्र भी कारोबार के लिए नहीं लिया गया था। कार्रवाई नगर निगम और फूड सेफ्टी विभाग ने साझा की है।

पहले भी मिली थी गड़बड़ी

जानकारी के मुताबिक, रामू चिकन सेंटर में पहले भी नाप-तौल में गड़बड़ी पाई गई थी। बहरहाल टीम ने मौके पर दुकान को तत्काल बंद कराने की कार्रवाई की है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध रूप से चल रही दुकानों में हड़कंप मच गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर